



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



वर्ष -12 अंक - 151

प्रयागराज, मंगलवार 29 सितम्बर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

यूक्रेन ने जंग में विस्फोटकों से लैस रोबोट सैनिक उतारे, रूस के 3000 सोल्जर्स को मारने का दावा, 5 गांव और 3 बस्तियां वापस लीं

कीवा। रूस-यूक्रेन जंग में अब रोबोट सैनिक भी मोर्चा संभाल रहे हैं। यूक्रेन ने पहली बार बड़े पैमाने पर सुसाइड जमीनी रोबोट का इस्तेमाल कर रूसी सेना पर हमला करने का दावा किया है। यूक्रेन की थर्ड आर्मी कॉर्प्स के मुताबिक, 'ऑपरेशन विवाल्डी' के तहत रोबोट और ड्रोन की मदद से रूस के करीब 3,000 सैनिकों को मार गिराया गया। साथ ही, पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में 5 गांवों और 3 बस्तियों पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया गया। यूक्रेनी सेना के मुताबिक, यह अभियान मई में शुरू हुआ था और सितंबर के आखिरी सप्ताह में पूरा हुआ। सेना ने गुरुवार को इसकी जानकारी सार्वजनिक की। इस दौरान रोबोट ने 15,700 से ज्यादा मिशन पूरे किए। ड्रोन से दुश्मन के इलाके में उतारे रोबोट- इस ऑपरेशन में चार पहियों वाले ऐसे रोबोट इस्तेमाल किए गए,

जिनमें विस्फोटक भरे थे। बड़े ड्रोन इन्हें रूसी सेना की सीमा के 14.5 किमी अंदर तक ले

मदद से रूसी सेना के कमांड सेंटर, सैनिकों के ठिकानों, हथियार और सामान रखने की



जाकर छोड़ते थे। इसके बाद ये रोबोट जमीन पर चलते हुए रूसी सैनिकों के ठिकानों तक पहुंचते और हमला करते थे। रोबोट में लगे कैमरों से आसपास के इलाके पर नजर रखी जाती थी। इनकी

जगहों और नदी पार करने के रास्तों पर हमले किए गए। इस रणनीति का मकसद यूक्रेनी सैनिकों की जान जोखिम में डाले बिना रूसी ठिकानों पर हमला करना था। थर्ड आर्मी कॉर्प्स के

कमांडर जनरल आंद्री बिलेत्स्की ने कहा कि यूक्रेन दुनिया में पहली बार ड्रोन से रोबोट को दुश्मन के इलाके में उतारकर हमला कर रहा है। कैसे काम करते हैं सुसाइड रोबोट? सुसाइड जमीनी रोबोट छोटे वाहन होते हैं, जो पहियों से चलते हैं। इन्हें दूर बैठकर ऑपरेटर रिमोट से चलाता है। इनमें विस्फोटक भरे होते हैं। ये दुश्मन के सैनिकों या ठिकानों तक पहुंचकर धमाका करते हैं। इन रोबोट की मदद से सैनिकों को बारूदी सुरंगों, गोलियों और दुश्मन के हमलों के बीच सीधे जाने का खतरा कम होता है। ड्रोन इन्हें दुश्मन के इलाके में पहुंचाते हैं और रोबोट में लगे कैमरों से ऑपरेटर आसपास की गतिविधियों पर नजर रखता है। हालांकि, ये रोबोट हर काम अपने आप नहीं करते। इन्हें चलाने और हमले का फैसला लेने में इंसान की भूमिका अहम होती है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

इजराइल ने हमास आतंकी को मार गिराया, पिछले हमले में इजराइली महिला को किडनैप कर जबरदस्ती गाजा ले गया था

तेल अवीव। इजराइल ने शनिवार को हवाई हमले में हमास आतंकी को मार गिराया है। इजराइली सेना (आईडीएफ) ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि आतंकी की पहचान साहेर निदाल लत्की साकर के रूप में हुई है। आईडीएफ के मुताबिक, साकर ने 7 अक्टूबर 2023 को नोआ अर्गमानी और उनके साथी अविनातन और को नोवा म्यूजिक फेस्टिवल से किडनैप किया था। उसने दोनों को मोटरसाइकिल पर बैठाया और जबरदस्ती गाजा ले गया था। आईडीएफ ने बताया कि साकर गाजा में दुनियाभर में सक्रिय जिहादी संगठनों से जुड़ा था। युद्ध के दौरान वह हमास को हथियार पहुंचाता था। इसके अलावा इजराइली सैनिकों और आम नागरिकों पर हमलों की तैयारी में भी उसकी अहम भूमिका थी। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजराइल में बॉर्डर एरिया पर एक म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान हमला

किया था। इस हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे, जबकि 251 को बंधक बना लिया गया था। यह हमला इजराइल के लिए दशकों में



सबसे गंभीर सुरक्षा घटनाओं में से एक था। इसके बाद इजराइल ने गाजा में हमास के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया। देखते ही देखते यह संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया के लिए बड़े संकट में बदल गया। हमास ने इसे 'अल-अक्सा फ्लड' ऑपरेशन नाम दिया था। इसके जवाब में इजराइल ने कुछ घंटे बाद हमास के खिलाफ 'सोर्स ऑफ आयरन' ऑपरेशन शुरू

किया था। 25 साल की नोआ अर्गमानी को 8 जून 2024 को इजराइली सेना ने 'ऑपरेशन अनौन' के तहत गाजा से रेस्क्यू किया था। इस ऑपरेशन में नोआ के अलावा 7 अक्टूबर को किडनैप हुए इजराइली नागरिक आंद्रेई कोजलोव, अल्मोग मीर जान और श्लोमी जिव को भी छुड़ाया गया था। वहीं, नोआ के साथी अविनातन और को अक्टूबर 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की गाजा डील के तहत रिहा किया गया था। रेस्क्यू ऑपरेशन का नाम शहीद सैनिक के नाम पर रखा गया- 'ऑपरेशन अनौन' 8 जून 2024 को इजराइली सेना ने गाजा के नुसीरात इलाके में चलाया था। इस ऑपरेशन का मकसद हमास के कब्जे से इजराइली बंधकों को छुड़ाना था। इस बचाव अभियान को अंजाम देने के लिए इजराइली

सेना, सुरक्षा एजेंसी शिन बेट और इजराइली पुलिस की स्पेशल फोर्स यमन में मिलकर काम किया था। इस ऑपरेशन का नाम यमन के कमांडर अनौन जमोरा के नाम पर रखा गया। गाजा में बंधकों को छुड़ाने के दौरान वह हमास की गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल हुए थे। उन्हें हेलिकॉप्टर से इजराइल के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कुछ घंटे बाद उनकी मौत हो गई। नोआ के अपहरण में शामिल एक आतंकी पहले भी मारा जा चुका- इजराइली सेना के मुताबिक, इससे पहले जुलाई 2026 में भी नोआ और अन्य बंधकों के अपहरण से जुड़े आतंकियों को हवाई हमलों में मार गिराया गया था। इनमें अहमद हुसैन मोहम्मद काफिना भी शामिल था। वह मुजाहिदीन ब्रिगेड का कमांडर था और 7 अक्टूबर के हमले में इजराइल में घुसा था। आईडीएफ ने बताया कि काफिना ने नोआ अर्गमानी और अविनातन और के अपहरण में भी हिस्सा लिया था।

ईरान के खिलाफ जल्द जंग जीतेंगे, युद्ध खत्म होते ही तेल की कीमतें गिरेंगी-ट्रम्प, मिडटर्म चुनाव से पहले फिर हमले की संभावना

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ईरान के साथ युद्ध बहुत जल्द जीत जाएगा। ट्रम्प



ने रविवार को फॉक्स न्यूज से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होते ही दुनियाभर में तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। ट्रम्प ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना अमेरिका का सबसे बड़ा लक्ष्य है। ट्रम्प से पूछा गया कि क्या मिडटर्म चुनाव से पहले अमेरिकी सैन्य हमले

फिर शुरू हो सकते हैं। उन्होंने इसकी संभावना से इनकार नहीं किया। ट्रम्प ने कहा, 'यह संभव है, लेकिन मैं इस बारे में कुछ नहीं

अर्थव्यवस्था पर ट्रम्प ने कहा कि उसकी मुद्रा की कीमत गिर गई है और महंगाई तेजी से बढ़ी है। उन्होंने ईरान में महंगाई दर करीब 300फीसदी होने का दावा किया। ईरान बोला- विनाशकारी जंग के लिए तैयार-ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि उनका देश जंग दोबारा शुरू होने की स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है।

एनबीसी न्यूज के कार्यक्रम 'मीट द प्रेस' में उन्होंने कहा, 'हम किसी भी नए हमले का मजबूती से सामना करेंगे, भले ही यह विनाशकारी जंग में बदल जाए।' अराघची ने कहा कि ईरान अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगा। हालांकि, उन्होंने बातचीत का रास्ता खुला रखते हुए कहा कि शांति का कोई भी मौका नहीं गंवाना चाहिए। ईरान ने जंग खत्म करने को 7 दिन का प्रस्ताव रखा था-ईरान ने जंग खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने सात दिन का प्रस्ताव रखा था। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

दावा-नेतन्याहू को हमास हमले की जानकारी थी, एक्शन नहीं लिया,मिस ने 2 दिन पहले ही आगाह किया था, पीएम ने सुरक्षा अधिकारियों से जानकारी छिपाई

काहिरा/तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को हमास के हमले से पहले कई चेतावनियां मिली थीं। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल



मिस्र के खुफिया प्रमुख अब्बास कामेल के साथ नेतन्याहू तस्वीर 30 मई 2021 की है

(डब्ल्यू.एस.जे.) की रिपोर्ट के मुताबिक, मिस्र ने हमले से करीब 48 घंटे पहले तक इजराइल को आगाह किया था। मिस्र की खुफिया एजेंसी के तत्कालीन प्रमुख अब्बास कामेल ने भी हमले से पहले नेतन्याहू के कार्यालय को फोन किया था। इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने भी कहा है कि इजराइल को संभावित हमले की चेतावनी मिली थी। गैलेंट ने आर्मी रेडियो को दिए इंटरव्यू में आरोप लगाया कि नेतन्याहू ने हमले से पहले मिली अहम जानकारीयां सुरक्षा अधिकारियों के साथ शेयर नहीं की थीं। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के लड़ाकों ने गाजा सीमा पार कर इजराइल के समुदायों और सैन्य

ठिकानों पर हमला किया था। इस हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए थे, लगभग 5,000 घायल हुए थे और करीब 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। मिस्र ने हमास

पूर्व रक्षा मंत्री गैलेंट ने आरोप लगाया कि इजराइल-हमास युद्ध के दौरान नेतन्याहू ने अमेरिका के अधिकारियों के साथ सहयोग किया था-इससे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में भी दावा किया गया था कि यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जयद अल नाहयान ने सितंबर 2023 में नेतन्याहू को हमास के संभावित बड़े हमले के बारे में बताया था। रिपोर्ट में बातचीत की जानकारी रखने वाले दो लोगों के हवाले से यह बात कही गई थी। एन.वाई.टी. के मुताबिक, इजराइल के पांच पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा था कि यूएई की यह चेतावनी देश के सुरक्षा तंत्र के शीर्ष अधिकारियों तक नहीं पहुंची थी।

ब्रिटिश एयरबेस के पास आतंकी साजिश का शक, 5 गिरफ्तार, नकाबपोश लोगों को देखकर महिला ने पुलिस को दी खबर, ईरान जंग में इस्तेमाल होता है बेस

लंदन। ब्रिटेन में आरएफ फेयरफोर्ड एयरबेस के पास आतंकी साजिश के शक में 5



लोगों को गिरफ्तार किया गया है। रविवार सुबह एक महिला ने पुलिस को 3 संदिग्ध वैन के बारे में में जानकारी दी थी। ये वैन एयरबेस की ओर जा रही थीं। सूचना मिलते ही इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई। आसपास के गांव के करीब 85

घरों को खाली कराया गया। पुलिस ने संदिग्धों को पहले विस्फोटक से जुड़े अपराधों के

से उड़ान भरते थे। महिला बोली- नकाब पहने लोगों को खेतों की तरफ भागते देखा-पुलिस को सूचना देने वाली महिला ने बीबीसी से कहा कि वह एक पार्टी से घर लौट रही थी। घर के पास पहुंचने पर उसे रास्ते में तीन सफेद वैन खड़ी मिलीं। रास्ता बंद होने की वजह से उसे अपनी कार वापस मोड़नी पड़ी। महिला के मुताबिक, थोड़ी दूर जाने पर उसने नकाब पहने कई लोगों को देखा। जैसे ही उन लोगों की नजर उसकी कार पर पड़ी, वे भागने लगे। कुछ खेतों और जंगल की तरफ चले गए, जबकि कुछ पास के गांव की ओर भागे। महिला ने बताया कि उसे पहले से पता था कि एयरबेस के आसपास सुरक्षा को लेकर खतरा रहता है। उसने पहले रक्षा मंत्रालय की पुलिस हेल्पलाइन पर फोन किया, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। इसके बाद उसने रात 1:36 बजे इमरजेंसी नंबर 999 पर फोन किया। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

बैंकॉक में 2 दिन में 1 महीने की बारिश, 8 लोगों की मौत, ड्रेनेज सिस्टम फेल, नावों के जरिए खाना पहुंचाया जा रहा

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में पिछले 2 दिनों में करीब 320 मिलीमीटर



बारिश हुई है। आमतौर पर इतनी बारिश पूरे सितंबर महीने में होती है। इतनी बारिश के चलते शहर का ड्रेनेज सिस्टम फेल हो गया है। बाढ़ से थाईलैंड में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रशासन के मुताबिक, कुछ इलाकों से पानी पूरी तरह निकलने में एक हफ्ते तक लग सकता है। करीब 80 हजार लोग अब भी बाढ़ में फंसे हुए हैं। इस बाढ़ से 3.29 लाख घर और करीब 7 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बैंकॉक के सभी 50 जिलों में इमरजेंसी घोषित की गई है। सरकार बाढ़ में फंसे लोगों तक नावों और मोबाइल किचन के जरिए खाना पहुंचा रही है। बैंकॉक समुद्र तल से सर्फ 1.5 मीटर ऊपर- बैंकॉक समुद्र तल से करीब 1.5 मीटर ऊपर है। शहर नरम मिट्टी वाले

नदी डेल्टा क्षेत्र में बसा है और हर साल कुछ मिलीमीटर नीचे धंस रहा है। शहर की आबादी उनके अनुमान के मुताबिक, बाढ़ से इस साल थाईलैंड की आर्थिक विकास दर में करीब 0.3 प्रतिशत की कमी आ सकती है। जीडीपी ग्रोथ 2.1फीसदी तक रह सकती है। बैंकॉक और पूर्वी थाईलैंड में दुकानों और कारोबार पर ज्यादा असर पड़ सकता है। दूसरे इलाकों में फौर्क्यूयों और खेती को नुकसान हो सकता है। थाईलैंड के साथ पड़ोसी देशों में भी बाढ़- पड़ोसी म्यांमार और कंबोडिया में भी बाढ़ और भारी बारिश से हालात खराब हैं। म्यांमार के तटीय तानिनथारी इलाके में भारी बारिश के बाद बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है और कई लोग लापता हैं। कंबोडिया में कम से कम 10 प्रांत बाढ़ की

चपेट में हैं। करीब 44,889 परिवार प्रभावित हुए हैं और लगभग 4 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। चपेट में हैं। करीब 44,889 परिवार प्रभावित हुए हैं और लगभग 4 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

नेपाल के हिमालय में हिमस्खलन, 4 की मौत 12 लापता, बेस कैंप में सो रहे लोगों पर बर्फ गिरी- रेस्क्यू टीम 24 घंटे बाद पहुंची

काठमांडू। नेपाल के मनांग जिले में 7,126 मीटर ऊंचे हिमलुंग हिमाल पर रविवार को हिमस्खलन हो गया। हादसे के समय गाइड और उनके साथ



काम करने वाले लोग एक टेंट में सो रहे थे। हिमस्खलन की चपेट में आने से टेंट बर्फ के नीचे दब गया। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 12 लोग लापता हैं। हादसे के बाद रविवार को ही बचाव दल के कुछ सदस्य मौके पर पहुंच गए थे और दो शव बरामद कर लिए थे। फिर भी यहां पर्वतारोहियों को बर्फीली ढलानों

आसान नहीं है। एवरेस्ट और मनास्लू जैसी 8,000 मीटर से ऊंची चोटियों पर चढ़ने वाले पर्वतारोही यहां आकर कम ऑक्सीजन और ज्यादा ऊंचाई में अपने शरीर को ढालने की तैयारी करते हैं। हिमलुंग पर चढ़ाई कुछ दूसरी बड़ी चोटियों के मुकाबले कम मुश्किल मानी जाती है। फिर भी यहां पर्वतारोहियों को बर्फीली ढलानों



दिवक्त के कारण पूरी टीम बेस कैंप तक नहीं पहुंच सकी। सोमवार सुबह हेलिकॉप्टर से बाकी बचावकर्मियों को बेस कैंप पहुंचाया गया। चढ़ाई की तैयारी में जुटे थे गाइड और वर्कर-जिस टेंट पर हिमस्खलन गिरा, उसमें कुल 22 लोग मौजूद थे। इनमें 9 पर्वतारोही और 13 लोग सपोर्ट स्टाफ के थे। ये लोग आने वाले पर्वतारोहण सीजन की तैयारी के लिए यहां पहुंचे थे। उनका काम चढ़ाई का रास्ता तैयार करना, बेस कैंप तैयार करना था। हिमस्खलन के बाद 12 लोग लापता हो गए। ऊंचे पहाड़ों की चढ़ाई के लिए हिमलुंग में ट्रेनिंग लेते हैं

पर फिक्स्ड रोप, जुमार और क्रैम्पॉन के साथ चढ़ने का अछा अभ्यास मिलता है। यानी बड़ी और ज्यादा ऊंची चोटियों पर जाने से पहले यहां चढ़ाई के जरूरी तरीकों को आजमाने का मौका मिलता है। बेस कैंप से शिखर तक 3 पड़ाव-हिमलुंग का बेस कैंप करीब 4,900 मीटर की ऊंचाई पर होता है। इसके बाद शिखर तक पहुंचने के लिए आमतौर पर तीन कैंप बनाए जाते हैं। कैंप 1: करीब 5,450 मीटर। कैंप 2: करीब 6,000 मीटर। कैंप 3: करीब 6,350 मीटर। कैंप 3 के बाद पर्वतारोही शिखर की अंतिम चढ़ाई शुरू करते हैं।

मिर्जापुर की महिला कृषकों का श्रीअन्न उत्पादन एवं प्रसस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रसार निदेशालय, सैम हिमिंगनबॉटम वृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 28 सितम्बर - 02 अक्टूबर 2026 तक संचालित

यह मधुमेह रोग से पीड़ित रोगियों के लिए एक स्वास्थ्यवर्धक आहार है। इसवेड अतिरिक्त हृदय संबंधित रोगों एवं अन्य कई गंभीर बीमारियों का निदान श्रीअन्न के उपयोग द्वारा किया जा सकता है। इस अवसर पर

साँवा, कोंदो, आदि फसलों की वैज्ञानिक खेती की जानकारी देते हुए कहा कि बेहद कम पानी में भी श्रीअन्न की फसलों का उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है तथा इनमें रोग के लगने की सम्भावना भी बहुत कम होती



होने वाले आत्मा योजनान्तर्गत जनपद-मिर्जापुर के विकासखण्ड नरायनपुर, छानबे, जमालपुर, राजगढ़ की चयनित 60 महिला कृषकों का पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए प्रति कुलपति प्रशासन शुआरस प्रो० (डा०) विश्वरूप मेहरा ने कृषकों को श्रीअन्न के महत्ता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक संरचना के दृष्टिगत हमारा आहार और व्यवहार दोनों ही परिवर्तित हो गये हैं। कहा जाता है कि भोजन ही औषधि है अर्थात् जिस प्रकार का भोजन हम ग्रहण करते हैं उसी प्रकार से हमारा स्वास्थ्य एवं विचार हो जाते हैं। अधिकांश लोगों की रुचि एवं झुकाव चावल और गेहूँ की खेती ओर अधिक है जिसके फलस्वरूप कृषक इन्हीं अनाजों की खेती करना अधिक पसंद करते हैं परन्तु जलवायु परिवर्तन के दृष्टिगत कई बार फसलें पर्याप्त लाभ नहीं दे पाती जिससे कृषकों को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। श्रीअन्न के उपयोग द्वारा बहुत सारी बीमारियों का घर बैठे निदान किया जा सकता है। जैसा कि विदित है कि श्रीअन्न का ग्लाइसेमिक इण्डेक्स अन्य अनाजों की तुलना में अत्यन्त कम होता है जिसकी वजह से

उन्होंने श्रीअन्न के विभिन्न उपयोगों के बारे में कृषकों के समक्ष चर्चा की और कहा कि वर्तमान प्रशिक्षण कार्यक्रम जलवायु परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में वैज्ञानिक ढंग से फसल उत्पादन पर केन्द्रित रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक प्रसार डा० प्रवीन चरन ने कहा कि कुपोषण आज की बहुत ज्वलन्त समस्या है तथा अपने दैनिक आहार में पोषक तत्वों से भरपूर श्रीअन्न के उपयोग से न सिर्फ कुपोषण की समस्या का निदान होगा अपितु श्रीअन्न के उपभोग को बढ़ावा देकर कृषक अपनी आर्थिक स्थिति भी उन्नत कर सकते हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उपभोक्ता लम्बी जीवन अवधि के लिए उच्च गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देते हैं। व्यस्त जीवनचर्या के कारण आसानी से बनने वाले उत्पादों का चयन करते हैं। वर्तमान परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए मोटापे, मधुमेह, उदरीय तथा अन्य जीवनशैली सम्बन्धित रोगों हेतु संस्तुत श्रीअन्न के स्वास्थ्यवर्धक लाभ के सम्बन्ध में जागरूकता लाई जाये तथा यह प्रशिक्षण इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कृषकों को बताया कि श्रीअन्न के उत्पादन एवं उपयोग को अपनाकर आर्थिक रूप से समृद्ध होना आज के समय की माँग है। प्रसार निदेशालय के संयुक्त निदेशक प्रसार डा० ए. के. चौरसिया ने ज्वार, बाजरा,

है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डा० वैज्ञानिक डा० सरवेन्द्र कुमार ने ने कृषकों को जैविक खेती पर जानकारी दी एवं वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने की विधि बताया। डा० शिशिर कुमार ने कृषकों को खरीफ मौसम की खाद्यान्न फसलों (धान) में कीट एवं रोग प्रबन्धन पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में प्रशिक्षण समन्वयक डा० टी. डी. मिश्रा के कृषकों के समक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की तथा कहा कि पाँच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सहभागिता कर रहे कृषकों को न सिर्फ श्रीअन्न की सभी फसलों की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी जायेगी अपितु प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के द्वारा श्रीअन्न के प्रसंस्कृत उत्पादों को गृह एवं व्यवसायिक स्तर पर तैयार करने का हस्त प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। उन्होंने कृषकों को श्रीअन्न के विभिन्न प्रसंस्कृत उत्पादों को तैयार करने की जानकारी भी प्रदान की। पाँच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सहभागिता कर रहे कृषकों को रबी फसलों की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी जायेगी अपितु पशुपालन, वानिकी, औद्योगिक फसलों की खेती तथा श्रीअन्न फसलों की खेती का भी प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रसार निदेशालय के समस्त वैज्ञानिकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विशेष पॉक्सो जागरूकता अभियान के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 30प्र० राज्य विधिक

अधिनियम, 2012 है। इस अवसर पर सिविल जज सृष्टि



सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली अमित पाल सिंह के निदेशानुसार व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशा के दिशा-निर्देशन में विशेष पाक्सो जागरूकता अभियान के अन्तर्गत पीएम श्री राजकीय इण्टर कालेज, राजकीय बालिका इण्टर कालेज, पीएम श्री महात्मा गाँधी इण्टर कालेज व तहसील लालगंज के अन्तर्गत इण्टर कालेज अम्बारा पश्चिम लालगंज, रायबरेली में विशेष पाक्सो जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। पीएम श्री राजकीय बालिका इण्टर कालेज में विशेष न्यायाधीश एस०सी०/एस०टी० एक्ट प्रतिमा के द्वारा उपस्थित बच्चों को बताया गया कि पॉक्सो अधिनियम 2012 भारत का एक विशेष कानून है जो 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन शोषण, यौन उत्पीड़न और पोर्नोग्राफी जैसे अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है। इस कानून का पूरा नाम लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण

सिंह के द्वारा उपस्थित बच्चों को गुड टच, बैड टच सम्बन्धी जानकारी प्रदान की गयी। पीएम श्री राजकीय इण्टर कालेज में राम नेत विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट-पश्म के द्वारा पॉक्सो एक्ट 2012 के सम्बन्ध में उपस्थित



बच्चों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में सिविल जज हर्षिता सिंह के द्वारा भी पाक्सो एक्ट के मुख्य बिन्दुओं के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। महात्मा गाँधी इण्टर कालेज, रायबरेली में आयोजित विशेष पाक्सो जागरूकता कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश ई०सी० एक्ट अजय कुमार वैश्य, नागार्जुन, ठाकुर प्रसाद व अभिषेक यादव उपस्थित रहे।

प्रत्येक व्यक्ति को 'बालक' (लड़का या लड़की दोनों) माना गया है। यह एक जेंडर-न्यूट्रल (लिंग-निरपेक्ष) कानून है। इस अवसर पर सिविल जज तान्या शर्मा प्रवेशकारी लैंगिक हमला, लैंगिक हमला, लैंगिक उत्पीड़न और बच्चों से जुड़ा अश्लील साहित्य जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं, के सम्बन्ध में बताया गया। इसके अतिरिक्त तहसील लालगंज में अम्बारा पश्चिम इण्टर कालेज रायबरेली में विशेष पाक्सो जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता ग्राम न्यायाधिकारी लालगंज तारिफ मुस्तफा खान के द्वारा की गयी। उक्त जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को पाक्सो एक्ट 2012 के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। तहसील सलोन ग्राम न्यायाधिकारी मृणालिनी श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सिटीजन पब्लिक स्कूल व सर्वोदय इण्टर कालेज कलाकारों ने नाटक के माध्यम से सेवा, विकास और राष्ट्र

रिमोट सेन्सिंग तकनीक से विकास योजनाओं में आणगी और अधिक पारदर्शिता व गति तकनीकी जागरूकता कार्यशाला में अधिकारियों को आधुनिक तकनीकों के उपयोग की दी गई जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स सेन्टर, 30प्र० लखनऊ (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

कार्य प्रणाली एवं इनवेड व्यावहारिक उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इनके माध्यम से उपलब्ध आंकड़ों



विभाग) द्वारा मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय तकनीकी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में रिमोट सेन्सिंग, जी०आई०एस०, जी०एन०एस०एस० एवं लिडार जैसी आधुनिक तकनीकों के

का बेहतर विश्लेषण कर योजनाओं वेड निर्माण, क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। अधिकारियों को रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स सेन्टर द्वारा विकसित 'संवेदन जियोपोर्टल' तथा इसरो, भारत सरकार द्वारा विकसित 'भुवन पोर्टल' के



विभिन्न विभागीय कार्यों में उपयोग एवं उनकी उपयोगिता के संबंध में अधिकारियों को विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स सेन्टर के वरिष्ठ वैज्ञानिक अमित सिन्हा तथा परियोजना वैज्ञानिक डॉ० जय कुमार मिश्रा एवं डॉ० अजय प्रताप सिंह द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत रिमोट सेन्सिंग सॉफ्टवेयर डाटा, जी०आई०एस० एवं अन्य आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जनपदवार तैयार किए गए डिजिटल डाटाबेस का प्रस्तुतीकरण किया गया। वैज्ञानिकों ने बताया कि इन तकनीकों का उपयोग कृषि, राजस्व, भू-संचय, जल-संचय, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, सिंचाई, जल निगम, नलकूप, सड़क एवं वन सहित विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहा है। विशेषज्ञों ने रिमोट सेन्सिंग, जी०आई०एस० एवं जी०एन०एस०एस० तकनीकों की

माध्यम से उपलब्ध जानकारी एवं सुविधाओं के उपयोग के संबंध में भी अवगत कराया गया।

कार्यशाला में लिडार तकनीक तथा प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल (पीएम गतिशक्ति एनएमपी) के माध्यम से विभिन्न विभागों के डाटाबेस के एकीकरण एवं उसके उपयोग के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों वेड समुचित उपयोग से विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ विकास योजनाओं की प्रभावी निगरानी एवं क्रियान्वयन में सहायता मिल सकती है। कार्यशाला में प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग प्रखर मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वि०रा०) सहदेव मिश्र, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सुधीर गिरी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कोपागंज में 'नमो सेवागाथा' नुक्कड़ नाटक का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोपागंज। कोपागंज स्थित एक निजी विद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन एवं कार्यों पर आधारित 'नमो सेवागाथा' नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कलाकारों ने नाटक के माध्यम से सेवा, विकास और राष्ट्र

प्रयास किया गया है। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज और युवाओं को देश के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष हिमांशु राय, मंडल उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक ममता पाण्डेय, कोषाध्यक्ष अंकुर



निर्माण से जुड़े विषयों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की संयोजक एवं मंडल उपाध्यक्ष ममता पाण्डेय ने कहा कि, 'नमो सेवागाथा' के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, संघर्ष, सेवा और देश के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों को लोगों तक पहुंचाने का

गुप्ता, मंडल मंत्री किशन कनौजिया, मंडल महामंत्री अतुल त्रिपाठी, दोस्तपुरा संयोजक सौफी राजभर, अश्विनी मिश्रा, विनय गुप्ता, विभेन त्रिपाठी, जगत राय, सुजीत राय एवं शत्रुघ्न सिंह अखिलेश विश्वकर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विरासत स्थलों की चित्रकला से सजी पर्यटन की तस्वीर, विश्व पर्यटन दिवस पर चित्रकला, छायाचित्र व अभिलेख प्रदर्शनी आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। विश्व पर्यटन दिवस-

लगाई गई। मुख्य अतिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर

स्थलों को व्यापक पहचान दिलाना जरूरी है। उन्होंने पर्यटन



2026 के अवसर पर क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय, प्रयागराज की ओर से होटल राही इलावर्त, सिविल लाइंस में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ इलाहाबाद हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने किया। इस अवसर पर प्रयागराज और आसपास के विरासत स्थलों पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता के साथ छायाचित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी

प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। इसके बाद विश्व पर्यटन दिवस की इस वर्ष की थीम 'डिजिटल एज और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर गोष्ठी हुई, जिसमें पर्यटन क्षेत्र में तकनीक की बढ़ती भूमिका पर चर्चा की गई। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी ने कहा कि पर्यटन को रोजगार से जोड़ने के साथ समावेशी विकास को बढ़ावा देना, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और प्रयागराज के पर्यटन

नीति-2022 के तहत पंजीकृत पर्यटन इकाइयों, युवा पर्यटन क्लब से जुड़े विद्यार्थियों और स्थानीय कलाकारों को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में अनिल गुप्ता, विनय टंडन, जीएस दरबारी, आकाश गुप्ता, हरजिंदर सिंह, प्रेम केशरीवानी, राकेश कुमार वर्मा, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी डीपी सिंह सहित पर्यटन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

विकसित भारत-2047 की परिकल्पना को रंगोली के रंगों में किया गया साकार, संकल्प सेवा अभियान के तहत विकास भवन में आयोजित हुई जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता जिलाधिकारी ने किया प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। संकल्प सेवा

गई, जिसके अंतर्गत प्रतिभागियों ने रंगोली के माध्यम से 'विकसित

अवलोकन करते हुए उनकी रचनात्मकता एवं प्रतिभा की



अभियान के अंतर्गत आज विकास भवन में जिला स्तरीय

भारत-2047' की परिकल्पना को आकर्षक एवं रचनात्मक रूप में

सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों



एवं शिक्षकों में रचनात्मकता, नवाचार तथा राष्ट्र निर्माण की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

'मेरे सपनों का भारत' जैसे विषय के माध्यम से विकसित भारत की परिकल्पना को जन-जन तक पहुंचाने और युवा पीढ़ी को राष्ट्र के विकास से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया जा रहा

रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने प्रतिभाग किया तथा प्रतिभागी शिक्षिकाओं द्वारा बनाई गई रंगोलियों का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में बेसिक शिक्षा विभाग के मीना मंच के माध्यम से जनपद के समस्त 18 विकास खंडों से शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता की थीम 'मेरे सपनों का भारत' रखी

प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने अपनी रंगोलियों में विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी प्रगति, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्र के समग्र विकास जैसे विभिन्न विषयों को कलात्मक ढंग से उकेरा। रंगों और कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से भविष्य के भारत की कल्पना को जीवंत रूप प्रदान किया गया। जिलाधिकारी एवं कार्यक्रम संयोजक द्वारा तैयार की गई रंगोलियों का

है। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी महिमा, जिला समाज कल्याण अधिकारी आरवी० सिंह, प्रभारी मीना मंच श्याम सुन्दर पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बच्चे ही देश के भविष्य, इन्हें हर क्षेत्र में आगे लाने की आवश्यकता : रंजना चौबे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) हरदुआ (वाराणसी)। भवानीपुर, शिवपुर स्थित बचपन शिशु वाटिका फ्ले स्कूल में आर्ट एंड क्राफ्ट प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

हर्षालास के साथ किया गया। प्रदर्शनी में नर्सरी से कक्षा पांच तक के बच्चों द्वारा तैयार की गई आकर्षक कलाकृतियां, पेंटिंग और विभिन्न प्रकार के क्राफ्ट मॉडल प्रदर्शित किए गए। बच्चों की रचनात्मकता और प्रतिभा ने अभिभावकों एवं आगंतुकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रंजना चौबे ने कहा कि बच्चे ही देश के भविष्य हैं। उनमें छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए शिक्षा के साथ-साथ कला,



कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उनकी कल्पनाशक्ति और सृजनशक्ति को क्षमता को भी विकसित करते हैं। प्रदर्शनी में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग

लिया और बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की सराहना की। विद्यालय की ओर से सभी अभिभावकों का स्वागत करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिकाओं प्रियंका पाठक, गुलशन बानो, सृष्टि चौरसिया, अनु पटेल, शाश्वत चौबे एवं दिलीप चौबे का विशेष योगदान रहा। छात्राओं भूमि सिंह, नैसी कुमारी और शिवांशी श्रीवास्तव ने भी आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में प्रधानाध्यापिका रंजना चौबे ने सफल आयोजन के लिए सभी सृजनशक्ति कक्षता को भी विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

बकायेदारों की भूमि की नीलामी 07 अक्टूबर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उपजिलाधिकारी



सदर रायबरेली गौतम सिंह ने सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय देय की बकायेदार छेदी लाल पुत्र विष्णु प्रसाद निवासी अनन्त मजर मरदानपुर, व टेरी मनिया टीकर, मनोज कुमार पासी पुत्र गुरु चरन निवासी कोन्सा एवं नौशाद पुत्र वशीर अहमद निवासी रसेहता परगना व तहसील सदर जिला

रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 07 अक्टूबर

2026 को समय प्रातः 10:00 बजे तहसील परिसर स्थित नायब तहसीलदार पश्चिमी/नीलाम अधिकारी कक्ष में प्रस्तावित है। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय, स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते हैं। नीलामी सम्बन्धी शर्तें संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

6 अक्टूबर को राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में होगा श्री अन्न महोत्सव, मिलेट्स से बने उत्पादों की प्रदर्शनी, रेसीपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन तथा उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत 06 अक्टूबर 2026 को पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 5 बजे तक राजकीय इंटर कॉलेज मैदान, रायबरेली में 'श्री अन्न महोत्सव, मिलेट्स रेसीपी विकास एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभागों से संबंधित मिलेट्स गतिविधियों तथा शासन द्वारा

अनुमन्य सुविधाओं की जानकारी से समन्वय स्थापित करते हुए मिलेट्स/श्री अन्न से संबंधित उत्पादों के अधिक से अधिक किसानों एवं आमजन को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए मिलेट्स/पौष्टिक अनाज के उपयोग के प्रति जागरूक करना है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्रगतिशील किसानों के साथ-साथ जनपद के समस्त किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। अभिहित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन

को कृषि विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए मिलेट्स/श्री अन्न से संबंधित उत्पादों के अधिक से अधिक किसानों एवं आमजन को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए मिलेट्स/पौष्टिक अनाज के उपयोग के प्रति जागरूक करना है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्रगतिशील किसानों के साथ-साथ जनपद के समस्त किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करें तथा स्वयं भी कार्यक्रम में उपस्थित रहकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न

23 अक्टूबर को होगा मतदान, 27 अक्टूबर को होगी मतगणना, 29 सितम्बर को जारी होगी निर्वाचन की अधिसूचना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/

2026 के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्राविधानों



सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी लखनऊ खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र

आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। निर्धारित निर्वाचन कार्यक्रम के

वे अनुसार आदर्श आचार संहिता के सुसंगत उपबंध प्रभावी हो गए हैं। उन्होंने संबंधित



सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निर्वाचन को निष्पक्ष, सकुशल, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने हेतु गठित विभिन्न समितियों के प्रभारी/नोडल अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के दृष्टिगत समितिवार किए जाने वाले कार्यों के समन्वय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खण्ड स्नातक के 05 तथा खण्ड शिक्षक के 06 निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 06 दिसम्बर 2026 को समाप्त होने

अनुसार 29 सितम्बर 2026 को निर्वाचन की अधिसूचना जारी की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 06 अक्टूबर 2026, नाम निर्देशनों की संवीक्षा 07 अक्टूबर 2026 तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 09 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। 23 अक्टूबर 2026 को प्रातः 08 बजे से अपराह्न 04 बजे तक मतदान कराया जाएगा, जबकि 27 अक्टूबर 2026 को मतगणना होगी। निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया 31 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण करा ली जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-

अधिकारियों को निर्वाचन से जुड़े सभी कार्यों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए। निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु कलेक्ट्रेट में कन्दोल रूम की स्थापना की गई है, कन्दोल रूप का नंबर 0535- 2204086, 2204089 है। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी शालिनी सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह (किशोर), मीरजापुर का निरीक्षण किया गया

शिविर का आयोजन किया गया। जनपद सोनभद्र में राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) संचालित नहीं है, अतः जनपद सोनभद्र से संबंधित विधि के विरुद्ध बालकों को मीरजापुर स्थित राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) में आवसित किया जाता है। निरीक्षण के दौरान राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह (किशोर), मीरजापुर के प्रभारी सहायक अधीक्षक श्री विजय कुमार राय एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह में आवसित किशोरों को स्वच्छता, नैतिक मूल्यों एवं गांधी जी के विचारों के प्रति प्रेरित किया गया। साथ ही पोर्सो एक्ट (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम) एवं बाल अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता, नियमित काउंसिलिंग तथा मुकदमों की त्वरित पैरवी के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। यह जानकारी श्री राहुल, सिविल जज सी0डि0/सचिव (पूर्ण कालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा दी गयी है।

डीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक सम्पन्न, उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की



अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, उद्यमियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उद्योगों से संबंधित समस्याओं के प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के उद्यमियों एवं औद्योगिक इकाइयों से संबंधित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि उद्योगों के संचालन एवं स्थापना में अनावश्यक कठिनाई न हो तथा उद्यमियों को शासन की मंशा के अनुरूप आवश्यक सहयोग एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने संबंधित विभागीय

के संबंध में भी जानकारी ली गई। प्रभारी सहायक अधीक्षक श्री विजय कुमार राय को निर्देशित किया गया कि राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर), मीरजापुर में साफ-सफाई की व्यवस्था प्रतिदिन सुनिश्चित की जाए तथा किशोरों के भोजन, पढ़ाई, चिकित्सा, खेल एवं मनोरंजन आदि की व्यवस्थाएं नियमानुसार सुचारु रूप से संचालित की जाएं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में 25 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में आवसित किशोरों को स्वच्छता, नैतिक मूल्यों एवं गांधी जी के विचारों के प्रति प्रेरित किया गया। साथ ही पोर्सो एक्ट (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम) एवं बाल अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता, नियमित काउंसिलिंग तथा मुकदमों की त्वरित पैरवी के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। यह जानकारी श्री राहुल, सिविल जज सी0डि0/सचिव (पूर्ण कालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा दी गयी है।

अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्योग बंधु की बैठकों में प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं का

उत्तर प्रदेश विधान परिषद खण्ड स्नातक (05) एवं खण्ड शिक्षक (06) निर्वाचन-2026 हेतु नोडल अधिकारियों की बैठक संपन्न, विधान परिषद निर्वाचन-2026 को लेकर नोडल अधिकारियों की बैठक, दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए नोडल अधिकारियों को सौंपे गए

दायित्व, निर्वाचन व्यय, कानून-व्यवस्था एवं मीडिया मॉनिटरिंग पर विशेष निगरानी के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) श्री वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश विधान परिषद खण्ड स्नातक (05) एवं खण्ड शिक्षक (06) निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के संबंध में नोडल अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) ने निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नमित नोडल अधिकारियों को उनके कार्य व दायित्वों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी सभी प्रकार की सूचनाओं के सुचारु संचालन एवं कन्दोल रूप प्रबंधन हेतु श्री विनोत कुमार सिंह (जिला कार्यक्रम अधिकारी, सोनभद्र) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके प्रमुख कार्य शिकायत प्रबन्धन, कन्दोल रूप को 24 घंटे आपरेट कराना, 3 शिफ्टों में कर्मचारियों की तैनाती कराना, कन्दोल रूप में प्राप्त शिकायतों को रजिस्टर पर दर्ज करना तथा सन्धिचित विभागों को प्रेषित कर उनसे अनुपालन रिपोर्ट तैयार करना है। इस दौरान उन्होंने कहा कि निर्वाचन व्यय के अनुवीक्षण, लेखा-जोखा और विविध भुगतानों के पर्यवेक्षण हेतु श्री इन्द्रभान

सिंह (वरिष्ठ कोषाधिकारी, सोनभद्र) को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। समस्त समाचार पत्रों/टीवी/रेडियो/केबिल के मानक रेट निर्धारित कराना, सहायक व्यय प्रेक्षकों एवं व्यय मॉनीटरिंग दल का प्रशिक्षण कराना, आयकर विभाग के साथ बैठक आयोजित करना, जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सामग्री/आइटम्स की दरों का निर्धारण कराना, व्यय अनुवीक्षण हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्धारित दरों की जानकारी राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों को सूचित करना, प्रत्याशियों के साथ व्यय अनुवीक्षण संबंधी बैठक आयोजित करना, सेक्टर/जोनल मजिस्ट्रेट, शासकीय हल्के के इंड्रवरी आदि को मानदेय/यात्रा भत्ता उपलब्ध कराना। क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन कराने एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु श्री वागीश कुमार शुक्ला दफ्तर जिलाधिकारी (वि0/रा0) ल, सोनभद्र को नोडल अधिकारी बनाया गया है। आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराना, क्षेत्र में अवैध शराब, अवैध शस्त्रों की तस्करी एवं गैर-जमानती वारंटों (एनबीडब्ल्यूएस) के निषादनो पर सख्त नजर रखना, आयकर विभाग तथा आबकारी विभाग के साथ समन्वय बैठकें आयोजित करना, शांति व्यवस्था

बनाए रखने हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163/167 (पूर्व में सीआरपीसी 144) के अंतर्गत आवश्यक आदेश निगट कराना, शस्त्रों के सार्वजनिक प्रदर्शन/ले जाने पर प्रतिबंध लगाना तथा शस्त्रों को जमा कराने की प्रक्रिया पूरी कराना।

मीडिया सर्टिफाइंग मॉनिटरिंग कमेटी (एम.सी.एम.सी.) प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया पर विज्ञापनों तथा समाचारों के अनुवीक्षण हेतु श्री रोहित यादव अपर जिलाधिकारी (नमाभि गंगे), सोनभद्र, को नोडल अधिकारी/प्रभारी नामित किया गया है। पेड न्यूज पर पैनी निगाह रखना, पेड न्यूज एवं सोशल मीडिया से जुड़े मामलों का निस्तारण कराना, पेड न्यूज से संबंधित रिपोर्ट एवं आंकड़े लेखा टीम को उपलब्ध कराना। बैठक में न्यायिक श्री रमेश चन्द्र, अपर जिला अधिकारी (नमाभि गंगे) श्री रोहित यादव, उप जिला अधिकारी आंबरा श्री रवि पासवान, वरिष्ठ कोषाधिकारी इन्द्रभान सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदोरी, सहायक निर्वाचन अधिकारी जगन्मय पटेल सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

थाना पन्गूज पुलिस की साइबर टीम की प्रभावी कार्यवाही, साइबर फ्रॉड के शिकार व्यक्ति की रु4999 की धनराशि कराई गई वापस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में साइबर अपराध एवं साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सदर श्री सुधीर सिंह के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक पन्गूज श्री निवास पाण्डेय के कुशल नेतृत्व में थाना पन्गूज की साइबर टीम द्वारा साइबर फ्रॉड के शिकार एक व्यक्ति की रु4999 की धनराशि उसके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई। धनराशि वापस प्राप्त होने पर आवेदिका द्वारा थाना पन्गूज पुलिस एवं साइबर टीम के कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया। धनराशि वापस कराने वाली

फ्रॉड कर लिया गया था। शिकायत प्राप्त होने पर थाना पन्गूज की साइबर टीम द्वारा एनसीआरपी पोर्टल पर प्रकरण का तत्काल अवलोकन करते हुए संबंधित बैंक खाते में धनराशि होल्ड कराई गई। तत्पश्चात ट्रॉजिकेशन से संबंधित आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कर साइबर बैंक से ई-मेल एवं पत्राचार के माध्यम से समन्वय स्थापित किया गया, जिसके फलस्वरूप आवेदक की फ्रॉड हुई सम्पूर्ण धनराशि में से रु4999 उसके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई। धनराशि वापस प्राप्त होने पर आवेदिका द्वारा थाना पन्गूज पुलिस एवं साइबर टीम के कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया। धनराशि वापस कराने वाली

टीम- 1. निवास पाण्डेय - प्रभारी निरीक्षक, थाना पन्गूज, जनपद सोनभद्र। 2. का0 सूर्या सिंह - थाना पन्गूज, जनपद सोनभद्र। जनहित में अपील- किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत एवं बैंकिंग संबंधी जानकारी जैसे आधार संख्या, पैन, बैंक खाता संख्या, नेट बैंकिंग विवरण, पासवर्ड, ओटीपी, सीवीवी अथवा एटीएम कार्ड संबंधी जानकारी साझा न करें। यदि आप साइबर अपराध के शिकार होते हैं, तो तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें अथवा www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। साथ ही निकटतम थाना/साइबर हेल्प डेस्क से संपर्क कर आवश्यक सहायता प्राप्त करें।

साली को लेकर फरार हुआ जीजा को रायपुर थाना प्रभारी ने किया गिरफ्तार

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बड़ी कार्रवाई, साली को बहला-फुसलाकर भगाने वाला जीजा गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र (रायपुर)।

कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। क्या है

अभियुक्त प्रदीप मिश्रा पुत्र कमला शंकर मिश्रा, निवासी



महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के तहत थाना रायपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

पुलिस ने साली को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी सदर श्री सुधीर

मामला- थाना रायपुर में मु0अ0सं0 124/2026 धारा 87, 351(2), 352 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत था। आरोप था कि अभियुक्त ने अपनी साली निवासी थाना रायपुर को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था।

पुलिस ने पूर्व में पीड़िता को बरामद कर लिया था, जबकि अभियुक्त फरार चल रहा था। मुखबिर की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक रायपुर श्री विजय कुमार चौरसिया के नेतृत्व में टीम ने वांछित

ग्राम कनेटी, थाना शाहगंज, जनपद सोनभद्र को दिनांक 28.09.2026 को समय 08:40 बजे डोहिया तिराहा से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में शामिल- भारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया, उ0न0 अजय पाण्डेय व का0 अखिलेश कुमार।

सोनभद्र के डीपीओ ने आईआईटी-बीएचयू में लौवा नदी पुनरोद्धार कार्ययोजना का किया प्रस्तुतीकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश द्वारा लौवा नदी की वर्तमान सोनभद्र। विश्व नदी दिवस के के चयनित 15 जिला परियोजना स्थिति, प्रमुख चुनौतियों तथा



अवसर पर 27 सितंबर 2026 अधिकारियों (डीपीओज़) को 'एक नदी एक पहल' के अंतर्गत



(आईआईटी-बीएचयू), वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में जनपद सोनभद्र की छोटी नदी लौवा के पुनरोद्धार हेतु तैयार कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन,

भाकपा कार्यकर्ताओं ने मनाया शहीद ए आज़म भगत सिंह की जयंती और मुख्य चुनाव आयुक्त 'ज्ञानेश कुमार' को बर्खास्त करो, ज्ञानेश कुमार जेल भेजो नारे के साथ वाराणसी शक्तिनगर मुख्यमार्ग पर प्रतिवाद करते हुए कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पटवध स्थित जिला कार्यालय पर आज महान क्रांतिकारी शहीद-ए-आज़म भगत सिंह की जयंती जिला सचिव आर.के. शर्मा के नेतृत्व में मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने भगत सिंह के विचारों और संघर्ष को याद करते हुए जनहित एवं लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कार्यकर्ताओं ने शहीद ए आज़म भगत सिंह की जयंती मनाने के पश्चात पार्टी कार्यालय के सामने मुख्य मार्ग पर निकल कर देश के करोड़ों वोटों के साथ की गई साजिश के विरोध में मुख्य चुनाव आयुक्त

उसके पुनरोद्धार के लिए प्रस्तावित कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम में लौवा नदी के संरक्षण, जल प्रवाह, जलग्रहण क्षेत्र के विकास, संरचनात्मक एवं सामुदायिक उपायों सहित नदी के दीर्घकालिक पुनरोद्धार पर विशेष रूप से चर्चा की गई। प्रस्तुतीकरण के उपरांत माननीय राज्य जल शक्ति मंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी द्वारा डीपीओ श्री महेंद्र बुडमार गौतम को सहभागिता एवं प्रस्तुतीकरण हेतु प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

यह पहल जनपद सोनभद्र की छोटी नदियों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। तथा 'एक नदी एक पहल' के माध्यम से स्थानीय नदियों को पुनर्जीवित करने के प्रयासों को गति प्रदान करेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के सवाल को लेकर राबट्सगंज के बहौली चौराहे पर भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान प्रमुख रूप से आर.के. शर्मा, देव कुमार विश्वकर्मा, राजेंद्र प्रसाद, अमरनाथ, बसावन गुप्ता, अमरनाथ बिंद, चंदन प्रसाद, नागेंद्र कुमार, प्रेमचंद, गुलाब निडर, नागेंद्र कुमार, जगबंधन गौड़, रामविलास कोल, लक्ष्मण भुइयां, मंगरी देवी, फुलमती व मोहम्मद मुस्तफा सहित दर्जनों की संख्या में भाकपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता कामरेड राजेंद्र प्रसाद ने और संवाहन पार्टी के जिला सह सचिव कामरेड देव कुमार विश्वकर्मा जी ने किया।

विश्व रेबीज दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, 'साथ मिलकर मजबूत बनें' की थीम पर रेबीज से बचाव एवं रोकथाम के प्रति किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर सोमवार को जनपद के कृति नर्सिंग पैरामेडिकल



महाविद्यालय, राबट्सगंज में रेबीज के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन '28 सितम्बर विश्व रेबीज दिवस-2026' की थीम 'साथ मिलकर मजबूत बनें' के अंतर्गत किया गया।

इसमें नर्सिंग महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में

मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला नोडल अधिकारी, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम डॉ. प्रेमनाथ ने रेबीज रोग के संबंध में प्रशिक्षणार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी।

उन्होंने रेबीज की गंभीरता, संक्रमण के कारणों तथा रोग से बचाव एवं रोकथाम के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को कुत्ते

अथवा अन्य संक्रमित पशु के काटने या खरोंच लगने की स्थिति में घाव को तत्काल बहते पानी और साबुन से कम से कम 15 मिनट तक अच्छी तरह धोना चाहिए।

घाव पर मिट्टी, मिर्च, तेल

पहुंचकर चिकित्सक की सलाह के अनुसार रेबीज रोधी टीके की आवश्यक खुराक अवश्य लगवानी चाहिए।

उन्होंने बताया कि पालतू कुत्तों एवं बिल्लियों का समय-समय पर रेबीज रोगी टीकाकरण कराया जाना चाहिए। किसी परिचित या पालतू पशु के काटने की स्थिति में भी लापरवाही न बरतते हुए तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेना आवश्यक है।

कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि रेबीज एक गंभीर बीमारी है और इसके लक्षण प्रकट होने के बाद स्थिति अत्यंत गंभीर हो सकती है।

इसलिए पशु के काटने या खरोंच लगने की घटना को नजरअंदाज न करते हुए समय से उपचार कराना आवश्यक है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रधानाचार्या प्रो. जया वर्मा,

श्री आशीष कुमार, जिला आंकड़ा प्रबंधक-एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम श्री रवि प्रकाश श्रीवास्तव

सहित नर्सिंग महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने से पहले ठोस प्रमाण प्रस्तुत करे विपक्ष : रुबी प्रसाद

भाजपा जिला कार्यालय सोनभद्र में आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस पर साधा निशाना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भाजपा जिला कार्यालय सोनभद्र पर आयोजित प्रेसवार्ता में नगर पालिका अध्यक्ष रुबी



प्रसाद ने कांग्रेस एवं विपक्ष द्वारा संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक एवं संवैधानिक विषयों को राजनीति का रंग देकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाना उचित नहीं है। किसी भी संस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने से पहले तथ्यों, प्रमाणों और आधिकारिक दस्तावेजों के आधार पर चर्चा होनी चाहिए।

रुबी प्रसाद ने कहा कि चुनावों में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के बाद कांग्रेस और विपक्ष की ओर से निर्वाचन आयोग सहित अन्य लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रकार के राजनीतिक बयानों के माध्यम से जनता का ध्यान जमीनी मुद्दों और राजनीतिक विषयों से भटकाने का प्रयास किया जा

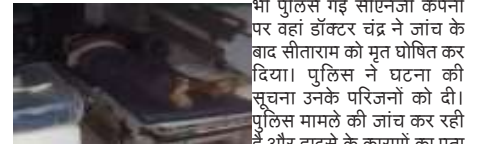
जारी स्पष्टीकरण एवं आधिकारिक दस्तावेजों के आधार पर ही चर्चा होनी चाहिए। निर्वाचन आयोग ने हाल ही में स्पष्ट किया है कि एं से संबंधित उसके आदेशों को सभी तीन निर्वाचन आयुक्तों की स्वीकृति प्राप्त थी तथा एसआईआर के दौरान फॉर्म-6 के साथ लगाए गए घोषणा-पत्र को लेकर भी आयोग ने अपना पक्ष रखा है। सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि कांग्रेस के बड़े नेताओं को यह एहसास हो गया है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता का विश्वास पुनः हासिल करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी कारण संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भ्रम और आरोपों का वातावरण बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सभी राजनीतिक दलों को संवैधानिक संस्थाओं की

पुनरीक्षण से संबंधित प्रक्रिया को लेकर निर्वाचन आयोग और न्यायालय के समक्ष विभिन्न पक्षों पर सुनवाई हुई है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 27 मई 2026 के फैसले में बिहार में एसआईआर के लिए निर्वाचन आयोग की शक्ति तथा उससे संबंधित प्रक्रियाओं पर विचार किया गया था। नन्दलाल गुप्ता ने कहा कि विपक्ष को संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने के बजाय तथ्यों और आधिकारिक अभिलेखों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस मौके पर जिला महामंत्री शांतोष शुक्ला जी जिला उपाध्यक्ष ब्रिजेश श्रीवास्तव जी जिला सह मोडिया प्रभारी अमन मौर्या प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नौगढ़ में सीएनजी ट्रक से टकराई बाइक, युवक की मौत

सोनभद्र। चंदौली के नौगढ़ तहसील क्षेत्र में सोमवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। जयमोहनी पोस्ता के पास सोनभद्र जिले के औरहवा गांव निवासी सीताराम (भादू के बेटे) की बाइक एक सीएनजी ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद मौके पर हड़कप मच गया। ग्रामीणों के सूचना

पर 112 नंबर पुलिस टीम पहुंची। एंबुलेंस की मदद से घायल



सीताराम को सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र नौगढ़ ले जाया गया। और सीएनजी ट्रक के पीछे भी पुलिस गई सीएनजी कंपनी पर वहां डॉक्टर चंद्र ने जांच के बाद सीताराम को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना की सूचना उनके परिजनों को दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगा रही है।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480





एशियन गेम्स में भारत के दो और मेडल पक्के, 25 मीटर पिस्टल में ईशा फाइनल के लिए क्वालिफाई, बॉक्सर लवलीना और पिकी बलहारा कुराश के सेमीफाइनल में

स्पोर्ट डेस्क। एशियन गेम्स 2026 के 9वें दिन भारत ने दो और मेडल पक्के कर लिए हैं। पिकी बलहारा ने कुराश की विमेंस 78 किग्रा वेट कैटेगरी के में जगह बना ली। इसके साथ ही भारत का एक और मेडल पक्का हो गया है। लवलीना ने मुकाबले की शुरुआत से ही दबाव बनाया। उन्होंने पहले राउंड



सेमीफाइनल में पहुंचकर मेडल पक्का किया। वहीं लवलीना बोरगोहेन ने बॉक्सिंग की 75 किग्रा वेट कैटेगरी के टॉप-8 में पहुंचकर भारत का एक और मेडल सुनिश्चित किया। सोमवार को शूटिंग के विमेंस 25 मीटर पिस्टल इवेंट में ईशा सिंह (580 अंक) ने फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। जबकि, मनु भाकर (579 अंक) बाहर हो गई हैं। वहीं, टीम इंडिया 1727 अंक के साथ 5वें स्थान पर रही। फिलहाल, भारत मेडल टेबल के 12वें स्थान पर है। उसके पास 37 मेडल हैं। इनमें 4 गोल्ड, 16 सिल्वर और 17 ब्रॉन्ज शामिल हैं। तीरंदाजी: ज्योति सुरेखा का सफर खत्म, चिकिता क्वार्टरफाइनल में पहुंची:- एशियन गेम्स 2026 के आर्चरी में भारत की ज्योति सुरेखा वेम ने विमेंस कंपाउंड इंडिविजुअल इवेंट के राउंड ऑफ-16 में जगह बना ली। दोनों ने राउंड ऑफ-32 के मुकाबले जीतकर अगले राउंड में प्रवेश किया। चिकिता ने भूटान की दोर्जी डोल्मा को 149-140 से हराया। वहीं ज्योति ने कजाकिस्तान की अदेल स्नेक्सेनबिनोवा को 148-145 से शिकस्त दी। राउंड ऑफ-16 में चिकिता का मुकाबला चीनी ताइपे की चेन यी-हुआन से होगा, जबकि ज्योति का सामना दक्षिण कोरिया की 14 साल की कांग योनसियो से होगा। टेनिस: अंकिता-ऋतुजा की विमेंस डबल्स में चुनौती खत्म, कजाकिस्तान की जोड़ी से हारी:- एशियन गेम्स 2026 के टेनिस में भारत की अंकिता रैना और ऋतुजा भोसले की विमेंस डबल्स चुनौती खत्म हो गई। भारतीय जोड़ी को कजाकिस्तान की अमा डानिलिना और यूलिया पुतिनत्सेवा ने 5-7, 6-3, 3-10 से हराया। अंकिता और ऋतुजा ने पहला सेट 7-5 से जीता, लेकिन कजाकिस्तान की जोड़ी ने दूसरे सेट में 6-3 से वापसी की। इसके बाद मैच टाई-ब्रेक में कजाकिस्तान की जोड़ी ने 10-5 से जीत दर्ज की। अंकिता और ऋतुजा की अब मिक्स्ड डबल्स में चुनौती बाकी है। वहीं, फेडरेशन के फैंसले के बाद विमेंस सिंगल्स में भारत की कोई खिलाड़ी हिस्सा नहीं ले रही है। शूटिंग: शपथ भारद्वाज ने 50/50 का परफेक्ट स्कोर

किया, ट्रैप क्वालिफिकेशन में 5वें स्थान पर पहुंचे:- एशियन गेम्स 2026 के शूटिंग में मंस ट्रैप क्वालिफिकेशन के दूसरे दिन भारत के शपथ भारद्वाज ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 50 में से 50 टारगेट हिट किए और कुल 95/100 स्कोर के साथ 5वें स्थान पर पहुंच गए। कायनान चेनाई ने दूसरे दिन 44 का स्कोर किया। वह कुल 91/100 के साथ 19वें स्थान पर हैं। वहीं अहवर रिजवी ने दूसरे दिन 46 का स्कोर किया और कुल 87/100 के साथ 32वें स्थान पर हैं। रिजवी ने दूसरे दिन अपने प्रदर्शन में सुधार किया, लेकिन पहले दिन के 41 के स्कोर के कारण वह अभी भी काफी पीछे हैं। स्क्वॉश: भारत ने चीन पर 3-0 से जीत दर्ज की:- एशियन गेम्स 2026 के स्क्वॉश में भारत ने मंस टीम पूल-ए के मुकाबले में चीन को 3-0 से हराया। भारत ने पहले दो मैच जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। सूरज चांद ने दू. शाओकियान को हराकर भारत को बढ़त दिलाई, जबकि वीर चोपानी ने ली हाइड्रेन को 11-5, 11-5, 11-3 से हराकर भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद वेलावन सेंथिलकुमार ने झोउ पेंगलिन को हराकर भारत को 3-0 से जीत दिलाई। भारत ने चीन के खिलाफ तीनों मैच जीतकर पूल-ए मुकाबला अपने नाम किया। बारिश के कारण भारत-अफगानिस्तान क्वाार्टरफाइनल रद्द, भारत सेमीफाइनल में:- एशियन गेम्स 2026 के मंस क्रिकेट इवेंट में भारत और अफगानिस्तान के बीच क्वाार्टरफाइनल बारिश के कारण रद्द हो गया। लगातार



बारिश के चलते टॉस भी नहीं हो सका। मैच रद्द होने के बाद बेहतर रैंकिंग के आधार पर डिफेंडिंग चैंपियन भारत सेमीफाइनल में पहुंच गया। भारत अब सेमीफाइनल में श्रीलंका और नेपाल के बीच होने वाले क्वाार्टरफाइनल के विजेता से खेलेगा। इससे पहले पाकिस्तान और हांगकांग का क्वाार्टरफाइनल भी बारिश के कारण रद्द हो गया था। बेहतर

रैंकिंग के आधार पर पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। शूटिंग: ट्रैप के दूसरे दिन शपथ भारद्वाज ने 50/50 अंक बनाए:- पुरुषों की ट्रैप क्वालिफिकेशन के दूसरे दिन भारत के शपथ भारद्वाज ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 50 में से 50 अंक हासिल किए और कुल 95 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गए। काइनन चेनाई ने दूसरे दिन 44 अंक बनाए। उनके कुल 91 अंक हैं और वे 19वें स्थान पर हैं। अहवर रिजवी ने दूसरे दिन 46 अंक हासिल किए। उनके कुल 87 अंक हैं और वे 32वें स्थान पर हैं। पहले दिन 41 अंक उनके लिए नुकसानदायक रहे। शूटिंग: ईशा सिंह विमेंस 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में:- भारत की ईशा सिंह ने विमेंस 25 मीटर पिस्टल इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है। वे 580 अंक के साथ 8वें स्थान पर रही। वहीं, मनु भाकर 579 अंक के साथ 11वें स्थान पर रही और फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। एक अन्य भारतीय राही सरनोबत (568 अंक) 30वें स्थान पर हैं। टीम इवेंट में भारत 5वें स्थान पर रहा। भारतीय टीम ने 1727 अंक हासिल किए। स्क्वॉश: भारत ने चीन के खिलाफ 1-0 की बढ़त बनाई:- पुरुष टीम के हुल मुकाबले में भारत ने चीन के खिलाफ 1-0 की बढ़त बना ली है। सूरज चंद ने चीन के दू. शाओकियान को सीधे गेम में 3-0 से हराया। सूरज ने मुकाबला 11-4, 11-2, 12-10 से अपने नाम किया। उन्होंने चीन के खिलाफ एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। एशियाड क्वाार्टर फाइनल

विवाद ने पहली बार एक इनिंग में 9 सिक्स उड़ाए, सबसे तेज 15 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, भारत में 42वां शतक लगाया

स्पोर्ट डेस्क। भारत ने रविवार को तिरुवनंतपुरम में पहले वनडे मुकाबले में वेस्टइंडीज

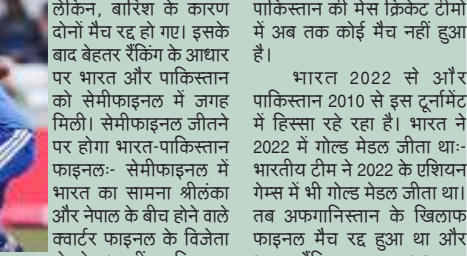
में अपना 60वां शतक पूरा किया। वे 338 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। इसके साथ ही उन्होंने



को 8 विकेट से हरा दिया। विराट कोहली ने अपने वनडे करियर का 55वां शतक लगाया। उन्होंने नाबाद 139 रन की पारी खेली। कोहली ने पहली बार किसी वनडे में इनिंग में 9 सिक्स लगाए। वे वनडे में सबसे तेज 15 हजार रन पूरे कर लिए। वे सबसे कम पारियों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली ने एक देश में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर की बराबरी की। दोनों ने भारत में 42-42 शतक लगाए हैं। कोहली ने वनडे में 303 पारियों में अपने 15 हजार रन पूरे कर लिए। वे सबसे कम पारियों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 2007 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 377 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। 2. कोहली लिस्ट-ए में तेंदुलकर के 60 शतकों के बराबर पहुंचे:- कोहली ने रविवार को लिस्ट-ए क्रिकेट

भारत-पाकिस्तान में एशियन गेम्स का फाइनल संभव, दोनों टीमों में मंस क्रिकेट के सेमीफाइनल में पहुंची, बारिश के कारण दोनों के मैच रद्द

स्पोर्ट डेस्क। एशियन गेम्स के मंस क्रिकेट फाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला



होंगे। सोमवार को भारत-अफगानिस्तान और पाकिस्तान-हॉन्ग कॉन्ग के बीच क्वाार्टर फाइनल खेले जाने थे। लेकिन, बारिश के कारण दोनों मैच रद्द हो गए। इसके बाद बेहतर रैंकिंग के आधार पर भारत और पाकिस्तान को सेमीफाइनल में जगह मिली। सेमीफाइनल जीतने पर होगा भारत-पाकिस्तान फाइनल:- सेमीफाइनल में भारत का सामना श्रीलंका और नेपाल के बीच होने वाले क्वाार्टर फाइनल के विजेता से होगा। वहीं, पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश और मलेशिया के विजेता के खिलाफ खेलेगी। दोनों टीमों अपना-अपना सेमीफाइनल जीतती हैं, तभी

फाइनल में भारत-पाकिस्तान की भिड़त होगी। एशियाड में अब तक नहीं भिड़े भारत-पाकिस्तान:- एशियन गेम्स में भारत और पाकिस्तान की मंस क्रिकेट टीमों में अब तक कोई मैच नहीं हुआ है।

भारत 2022 से और पाकिस्तान 2010 से इस टूर्नामेंट में हिस्सा रहे रहा है। भारत ने 2022 में गोल्ड मेडल जीता था:- भारतीय टीम ने 2022 के एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। तब अफगानिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच रद्द हुआ था और भारत चैंपियन बना था। भारत-पाकिस्तान में पिछला मुकाबला 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में हुआ था। उस मैच को भारत ने 61 रन से जीता था।

मधुमक्खी डंक मारे तो क्या करें, 6 घरेलू उपचार, ये 5 संकेत दिखें तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं

मुंबई। फर्ज करिए कि आप किसी पार्क, खेत या बगीचे में टहल रहे हैं और अचानक मधुमक्खियों का झुंड आपके पास आ जाए। आप घबराकर भागने की कोशिश करते हैं, लेकिन इस दौरान कुछ मधुमक्खियां आपको डंक मार देती हैं। मधुमक्खी का डंक लगते ही ज्यादातर लोग ये सोचते हैं कि थोड़ी देर दई होगा, सूजन होगी और फिर सब ठीक हो जाएगा। अक्सर ऐसा होता भी है। लेकिन हर बार नहीं। कुछ लोगों में मधुमक्खी का डंक शरीर में गंभीर एलर्जिक रिएक्शन भी पैदा कर सकता है। कई बार मधुमक्खी का काटना जानलेवा भी हो सकता है। ऐसे में सही फर्स्ट एड और खरों के संकेतों को पहचानना जरूरी है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में बात करेंगे कि मधुमक्खी के डंक मारने से शरीर में क्या होता है। साथ ही जानेंगे कि- अगर मधुमक्खी डंक मार दे तो तुरंत क्या करें? किन स्थितियों में डॉक्टर को दिखाना जरूरी है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. समीर राठी, कंसल्टेंट, इमरजेंसी मेडिसिन, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मधुमक्खी के डंक मारने

से शरीर में क्या होता है? जवाब- मधुमक्खी के डंक के साथ उसके शरीर का जहर (वेनम) स्किन में चला जाता है। इसके बाद शरीर की प्रतिक्रिया के कारण ये



रिएक्शन हो सकते हैं- डंक वाली जगह पर तेज दर्द और जलन हो सकती है। वहां रेडनेस और सूजन हो सकती है। कुछ लोगों में खुजली और गर्माहट महसूस हो सकती है। शरीर का इम्यून सिस्टम जहर के खिलाफ प्रतिक्रिया करता है। इससे सूजन और दूसरे लक्षण पैदा हो सकते हैं। ज्यादातर लोगों में प्रतिक्रिया डंक वाली जगह तक सीमित रहती है और कुछ घंटों में कम हो जाती है। कुल मिलाकर मधुमक्खी का डंक स्किन में जहर

सवाल- क्या मधुमक्खी का काटना और डंक मारना, दोनों एक ही बातें हैं? जवाब- हां, मधुमक्खी में खसखस का काटना और डंक मारना, दोनों एक ही बात है। सिर्फ भाषा का फर्क है। आम बोलचाल की भाषा में लोग कहते हैं, 'मधुमक्खी ने काट लिया'। लेकिन मधुमक्खी काटती नहीं, बल्कि डंक मारती है। डंक के जरिए वह स्किन में जहर छोड़ती है। सवाल- अगर मधुमक्खी का डंक स्किन में फंस जाय तो इससे क्या रिस्क हो सकता है? जवाब- इससे सूजन और जलन हो सकती है। कुछ केस में यह सामान्य से ज्यादा समय तक बनी रह सकती है। साथ ही स्किन को बार-बार छूने या खुजलाने से इन्फेक्शन का रिस्क भी बढ़ सकता है। इसलिए डंक दिखाई दे तो उसे जितनी जल्दी हो सके, सावधानी से हटा देना चाहिए। सवाल- खुद डंक निकाल सकते हैं या डॉक्टर के पास जाना चाहिए? जवाब- अगर डंक स्किन की सतह पर साफ दिखाई दे रहा है और कोई गंभीर लक्षण नहीं हैं, तो इसे घर पर सावधानी से निकाल सकते हैं। साफ नाखूनों या किसी पतली, सपाट चीज से धीरे से खुरचकर डंक निकाल सकते हैं। कुछ स्थितियों में डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है, जैसे कि- डंक

आंख, मुंह, गले या नाक के आसपास लगा हो। डंक निकालना मुश्किल हो रहा हो। सांस लेने में दिक्कत हो। चेहरे पर सूजन जैसे एलर्जिक लक्षण दिखाई दें। सवाल- मधुमक्खी के डंक मारने पर तुरंत क्या कदम उठाना चाहिए? जवाब- ऐसी स्थिति में सबसे पहले सुरक्षित जगह पर जाएं। अगर डंक स्किन पर दिख रहा है तो उसे सावधानी से निकालें। मधुमक्खी डंक मारे तो तुरंत क्या करें? 01 दिख रहा डंक तुरंत निकालें। 02 डंक उगली पर है तो अंगुली निकालें। 03 जिस चीज से निकालें, वो साफ हो। 04 रगड़ने या खुजलाने से बचें। 05 सुरक्षित जगह पर जाएं। 06 साफ पानी से डंक की जगह साफ करें। 07 प्रभावित हिस्से पर ठंडी पट्टी लगाएं। 08 परेशानी बढ़े तो इमरजेंसी हेल्प लें। सवाल- क्या डंक वाली जगह को खुजलाना या रगड़ना सही है? जवाब- नहीं, डंक वाली जगह को खुजलाना या रगड़ना सही नहीं है। इससे स्किन में जलन, सूजन बढ़ सकती है। साथ ही संक्रमण का रिस्क भी बढ़ता है। सवाल- अगर मधुमक्खी के डंक का घाव ज्यादा गंभीर नहीं है तो क्या इसके लिए कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं? जवाब- हां, अगर किसी व्यक्ति को पहले मधुमक्खी

के डंक से गंभीर एलर्जी हो चुकी है तो अगली बार क्या सावधानी रखनी चाहिए? जवाब- ऐसे में खसखस सावधानी रखें। डॉक्टर की सलाह से एपिनेफ्रिन (एड्रिनॉलिन) ऑटो-इंजेक्टर साथ रखें और इसके इस्तेमाल का तरीका पहले से सीखें। यह एक मेडिकल डिवाइस है, जिसका इस्तेमाल गंभीर एलर्जिक रिएक्शन को कंट्रोल करने के लिए किया जाता है। डंक लगने पर गंभीर एलर्जी के लक्षण दिखें तो तुरंत इसका इस्तेमाल करें और इमरजेंसी मेडिकल हेल्प लें। सवाल- मधुमक्खी के डंक का दर्द और सूजन कितने समय में कम हो जाते हैं? जवाब- आमतौर पर डंक लगने के बाद दर्द और जलन कुछ घंटों में कम होने लगती है। जबकि सूजन और लालिमा कुछ दिनों तक रह सकती है। कुछ लोगों में सूजन 2-3 दिन तक बढ़ने के बाद धीरे-धीरे कम होती है। मधुमक्खी के डंक का असर हर व्यक्ति में एक जैसा नहीं होता। ज्यादातर लोगों में दर्द और सूजन धीरे-धीरे अपने आप कम हो जाती है। लेकिन अगर शरीर की प्रतिक्रिया सामान्य से अलग है, तो तुरंत मेडिकल हेल्प लें। सवाल- अगर ढेर सारी मधुमक्खियां एक साथ अटैक

कर दें तो बचने के लिए क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत कुछ कदम उठाएं- जितनी जल्दी हो सके किसी बंद जगह जैसे कमरे या कार में चले जाएं। चेहरा और सिर ढकें और मुंह-नाक को कपड़े से ढक लें। घबराकर हाथ-पैर न चलाएं। मधुमक्खियों को मारने या भागने की कोशिश न करें। पानी में न कूदें, क्योंकि मधुमक्खियां पानी के ऊपर भी इंतज़ार कर सकती हैं। अगर डंक लग जाए और सांस लेने में परेशानी हो, चेहरे/गले में सूजन हो या चक्कर आए तो तुरंत मेडिकल हेल्प लें। सवाल- जहां मधुमक्खी के काटने का रिस्क है, वहां किन तैयारियों के साथ जाना चाहिए? जवाब- इसके लिए पहले से कुछ सावधानियां बरतें, जैसे कि- फुल स्लीव्स वाले कपड़े, फुल पैट और जूते पहनें। तेज खुशबू वाले परफ्यूम, डियो या हेअर प्रोडक्ट्स लगाने से बचें। खाने-पीने की मीठी चीजों को खुला न रखें। आसपास मधुमक्खियों का छता दिखे तो उससे सुरक्षित दूरी बनाए रखें। जिन लोगों को मधुमक्खी के डंक से गंभीर एलर्जी है, वे डॉक्टर द्वारा बताई गई एपिनेफ्रिन ऑटो-इंजेक्टर जैसी इमरजेंसी दवा साथ रखें।

3. आकर्षण और प्रतिक्रिया
फर्क समझाएँ: उनसे पूछें कि क्या
है सना जलियाँ, समान नदियाँ
वाला और ईमानदार हैं? क्या तो
तुम्हें बेहतर बनने के लिए
प्रोत्साहित करता है? स्थायी और
उदार प्रेम के बीच स्टीनबेक ने
जो फर्क बताया, वहाँ 1958 की
तुलना में आज के ईस्टपायाम दिनों
में अधिक प्रासंगिक है। 4. उनकी
डिजिटल लाफ़ में दिलचस्पी है।
आजकल का रोमांस अधिकतर
फोन पर ही होता है। इसलिए
प्राइवसी, ऑनलाइन मैनियुवेलिशन,
तस्वीरों की शेयरिंग, साइबर-
बुलीइंग और डिजिटल फ़्लूट्रिंस
के हमेशा बने रहने के जोखिमों
पर उनसे चर्चा करें। फंडा यहाँ
है कि जिन प्यार आपके जीवन
में दस्तक दे तो किसी 'वेल्-डेड'
व्यक्ति की तरह उसे शांति से
संभालें। एन. रघुरामन

यूक्रेन ने जंग में विस्फोटकों से लैस रोबोट सैनिक उतारे, रूस के 3000 सोल्जर्स को मारने का दावा, 5 गांव और 3 बस्तियां वापस लीं

क्रीव। यूक्रेन बनाएगा रोबोट्स की सेना, सैनिकों की जाएंगे। ये मशीन गन में गोलियां भरने, बैटरी बदलने और सेंसर



जगह लेंगे मशीनें- यूक्रेन जंग में सैनिकों की जान बचाने के लिए रोबोट्स की सेना तैयार कर रहा है। पूर्व रक्षा मंत्री मिखाइलो फेदोरोव ने 26 सितंबर को 'आर्मी ऑफ रोबोट्स' प्रोजेक्ट का ऐलान किया। इसके तहत युद्ध के मैदान में ऐसे रोबोट्स तैनात करने की योजना है, जो जोखिम भरे काम कर सकें। प्रोजेक्ट में ईसानों जैसे दिखने वाले ह्यूमनॉइड रोबोट्स बनाए

लगाने जैसे काम करेंगे। इससे सैनिकों को हथियारों और दूसरे उपकरणों की देखरेख के लिए सीधे मोर्चे पर जाने की जरूरत कम हो सकती है। योजना में ड्रोन, जमीन पर चलने वाले मानवरहित वाहन (यूजीवी), कम लागत वाले इंटरसेप्टर और एआई की मदद से हमला करने वाले सिस्टम भी शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए यूक्रेन पश्चिमी देशों के इंजीनियरों, तकनीकी विशेषज्ञों और निवेशकों से

सहयोग जुटा रहा है। रूस और भारत समेत कई देश बना रहे जमीनी रोबोट- यूक्रेन के अलावा रूस, चीन और इजराइल समेत कई देश जंग में इस्तेमाल होने वाले जमीनी रोबोट बना रहे हैं। रूस इनका इस्तेमाल हथियार और जरूरी सामान पहुंचाने जैसे कामों में कर रहा है। चीन ऐसे रोबोट बना रहा है, जो हथियार लें जाने और मिलकर काम करने में सक्षम हों।

वहीं, इजराइल भी रोबोट से चलने वाले लड़ाकू वाहन विकसित कर रहा है। भारत भी इस तकनीक पर काम कर रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से चलने वाले रोबोट और मानवरहित जमीनी वाहन बना रहा है। भारत में 'एक्सप्लोडर' नाम का एक ऐसा वाहन विकसित किया गया है, जो ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर चल सकता है। इसका इस्तेमाल निगरानी करने और विस्फोटकों से जुड़े खतरनाक काम करने में किया जा सकता है।

ईरान के खिलाफ जल्द जंग जीतेंगे,युद्ध खत्म होते ही तेल की कीमतें गिरेंगी-ट्रम्प, मिडटर्म चुनाव से पहले फिर हमले की संभावना

वॉशिंगटन डीसी। इसमें होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने

संपत्तियों और पैसों पर लगी रोक हटाने और अपना तेल बेचने की



और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करने की बात शामिल थी। अमेरिका ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अराघवी के मुताबिक, ईरान समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए तैयार है। इसके बदले वह विदेशों में जमा अपनी

अनुमति चाहता है। उन्होंने कहा कि ये मांगें जून में अस्थायी सीजफायर के लिए हुए समझौता ज्ञापन जैसी हैं। हालांकि, दोनों पक्षों की ओर से जवाबी हमलों के बाद वह समझौता टूट गया था। रिपोर्ट- ट्रम्प चुनाव के बाद फिर शुरू कर सकते हैं बमबारी:-

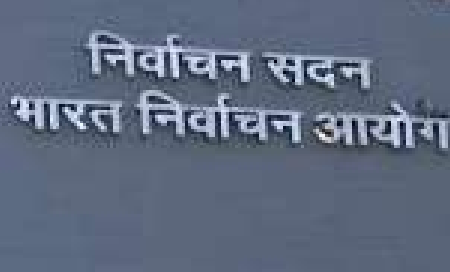
वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर दोबारा बमबारी शुरू कर सकते हैं। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया कि ट्रम्प ने अपने सहयोगियों से ईरान पर दोबारा बमबारी शुरू करने की संभावना पर चर्चा की है। अल जजीरा के पत्रकार माइक हाना ने भी कहा कि ईरान के साथ बातचीत को लेकर ट्रम्प प्रशासन के बयानों में लगातार बदलाव दिख रहा है। कभी ट्रम्प बातचीत अच्छी चलने की बात करते हैं, तो कभी ईरान को तबाह करने की धमकी देते हैं। हाना के मुताबिक, ट्रम्प फिलहाल इस गतिरोध को जारी रखने के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। वहीं, अमेरिका में भी चिंता है कि ईरान के साथ संघर्ष एक और लंबे समय तक चलने वाली जंग में बदल सकता है।

सीजेआई को पूर्व नेवी चीफ-अफसरों समेत 2000 लोगों की चिट्ठी,कहा- एस.आई.आर की वैधता और प्रक्रिया के रिव्यू होने तक इस पर रोक लगाई जाए

नयी दिल्ली। देश के 2 हजार से ज्यादा नागरिकों ने भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत को लेटर लिखकर स्पेशल इंटेलिजेंस रिवीजन यानी एस.आई.आर पर रोक लगाने की मांग की है। साथ ही निर्वाचन आयोग की भूमिका पर स्वतः संज्ञान लेकर कार्यवाही शुरू

से पहले उनकी समीक्षा भी की जाएगी। आयोग की बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईओ) ज्ञानेश कुमार, दोनो निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी मौजूद रहे। अदरूनी मतभेद के दावों के बीच आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाता सुविधों के विशेष

निर्देशों का सावधानी से पालन होगा। ईसीसीआईनेट की जांच के लिए एक वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त की अध्यक्षता में समिति बनाई जाएगी, जिसमें आईआईटी/आईआईआईटी का एक स्वतंत्र विशेषज्ञ होगा। एस.आई.आर में नाम नहीं आया तो आवेदन कर सकेंगे-आयोग के मुताबिक, एस.आई.आर में जिन लोगों के नाम छूट गए हैं, वे लगातार वोटर लिस्ट अपडेट करने की प्रक्रिया के तहत संबंधित ईआरओ के पास नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें युवा और पहली बार वोट देने वाले लोग भी शामिल हैं।



करने की अपील की है। लेटर में कहा गया है- एस.आई.आर की वैधता, प्रक्रिया की समीक्षा होने तक इसे रोकें। वोटर रिजिस्ट्रेशन सॉफ्टवेयर और फॉर्म में कथित अनधिकृत बदलावों की कोर्ट की निगरानी में जांच कराई जाए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और अन्य अधिकारियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई और ईसीआईनेट का सुप्रीम कोर्ट की नियुक्त स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति से सिक्वोरिटी और लीगल ऑडिट कराने की मांग भी की गई है। लेटर पर दस्तखत करने वालों में पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल विष्णु भागवत, पूर्व आईएएस अधिकारी अदिति मेहता, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण, इतिहासकार आदित्य राज जी और अभिनेता प्रकाश मुखर्जी शामिल हैं। चुनाव आयोग ने शनिवार की बैठक में अपने कामकाज और चुनावी व्यवस्था से जुड़े 9 फ़ैसले लिए। आयोग ने कहा कि बैठकों से पहले एजेंडा साझा किया जाएगा और बाद में फ़ैसलों का रिकॉर्ड तैयार होगा। नए आईटी मॉड्यूल और पोर्टल को लागू करने

गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर) से जुड़े फ़ैसले सर्वसम्मत से हुए थे। दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में चुनाव आयोग के फ़ैसलों पर 14 बार आपत्ति जताई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। आयोग ने बैठक के बाद इन दावों पर भी अपनी बात रखी। आयोग का दावा-संधू-जोशी ने प्रतिनियुक्त अधिकारी के आदेश पर आपत्ति जताई थी-आयोग ने शनिवार को प्रेस रीलिंग जारी कर बताया कि संधू और जोशी की ओर से कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी से जुड़े थे। द इंडियन एक्सप्रेस का दावा था कि संधू और जोशी ने उस आदेश पर आपत्ति जताई थी, जिससे मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और रिकॉर्ड अपडेट करने की शक्ति केंद्रीय स्तर पर सिमटने की आशंका थी। आयोग ने कहा कि संबंधित अधिकारी की ओर से जारी कार्य-पुनर्वितरण आदेश कभी लागू हो नहीं हुए। आयोग ने स्पष्ट किया कि चुनाव आयुक्तों की ओर से अधिकारियों को दिए गए सभी

निर्देशों का सावधानी से पालन होगा। ईसीसीआईनेट की जांच के लिए एक वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त की अध्यक्षता में समिति बनाई जाएगी, जिसमें आईआईटी/आईआईआईटी का एक स्वतंत्र विशेषज्ञ होगा। एस.आई.आर में नाम नहीं आया तो आवेदन कर सकेंगे-आयोग के मुताबिक, एस.आई.आर में जिन लोगों के नाम छूट गए हैं, वे लगातार वोटर लिस्ट अपडेट करने की प्रक्रिया के तहत संबंधित ईआरओ के पास नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें युवा और पहली बार वोट देने वाले लोग भी शामिल हैं।

कॉकरोच पार्टी को मुंबई में प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली,सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एकत्रित होना था, दीपके बोले- अब 2 अक्टूबर को जेल भरो आंदोलन होगा

मुंबई। मुंबई पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 2 अक्टूबर को शिवाजी पार्क में होने वाले प्रदर्शन को परमीशन

‘400 पार’ का नारा देने के बाद वह 240 सीटों पर आ गई। इसके बाद उन्हें महसूस हुआ कि क्षेत्रीय पार्टियां मजबूत हो रही हैं। 2.



नहीं दी। यह प्रदर्शन चुनाव आयोग (ईसीआई) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ होना था। पुलिस ने हाईकोर्ट के निर्देशों, बीएमसी की अनुमति नहीं होने और ट्रैफिक प्रभावित होने की आशंका का हवाला दिया। पुलिस ने यह भी कहा कि शिवाजी पार्क साइलेंट जोन में आता है और इसके आसपास रिहायशी इलाके हैं। प्रदर्शन से ट्रैफिक जाम और आसपास के अस्पतालों तक आपातकालीन वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका है। आयोजकों को मुंबई में किसी दूसरे स्थान का विकल्प यलाशने की सलाह दी गई है। उधर सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- नागरिकों की आवाज दबाने की ऐसी कोशिशें स्वीकार्य नहीं हैं। अगर हमें प्रदर्शन करने के अधिकार से वंचित किया गया, तो सीजेपी गांधी जयंती के दिन मुंबई में जेल भरो आंदोलन शुरू करेंगी।कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 24 सितंबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया था। पार्टी ने कहा कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में आंदोलन किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। उन्होंने एसआईआर के जरिए देश में 13 करोड़ से ज्यादा वोट डिलीट किए। लोगों से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है।दीपके ने कहा- लोकतंत्र का मतलब है कि जनता अपनी सरकार चुने। लेकिन जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, तब से सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट करेगा और कौन नहीं। ममता-केजरीवाल की सीटों पर वोट डिलीट हुए, दीपके के 4 आरोप- 1. 2024 के नतीजों के बाद बीजेपी डरी: 2024 के चुनाव में बीजेपी बहुमत हासिल नहीं कर सकी।

क्षेत्रीय नेताओं को एक-एक कर हराने का आरोप- महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे हों, एससीपी, एमके स्टालिन, पिनराई विजयन, अरविंद केजरीवाल या ममता बनर्जी, इन सभी मुख्यमंत्रियों को एक-एक करके हराया गया। यह महज संयोग नहीं हो सकता। ये सभी 2024 में एक साथ आए थे और उन्होंने मिलकर भाजपा के खिलाफ प्रचार किया था। 3. विपक्ष को खत्म करने की कोशिश का सवाल- क्या यह कदम सिर्फ मजबूत विपक्षी नेताओं को खत्म करने के लिए उठाया गया था? हमें विपक्ष या किसी खास पार्टी से कोई विशेष लगाव नहीं है। लेकिन अगर लोकतंत्र में पूरे विपक्ष को ही खत्म कर दिया जाए, तो क्या इसे लोकतंत्र कहा जा सकता है? दो चुनाव आयुक्तों ने 10 महीनों में 14 बार लिखित आपत्ति जताई- द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई। उनका कहना था कि कुछ फ़ैसले उनकी जानकारी के बिना लिए गए और कुछ कदमों को उन्होंने 'अनधिकृत और गैरकानूनी' बताया। आयोग का दावा- संधू-जोशी ने प्रतिनियुक्त अधिकारी के आदेश पर आपत्ति जताई थी-आयोग ने शनिवार को प्रेस रीलिंग जारी कर बताया कि संधू और जोशी की ओर से कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी से जुड़े थे। इंडियन एक्सप्रेस का दावा था कि संधू और जोशी ने उस आदेश पर आपत्ति जताई थी, जिससे मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और रिकॉर्ड अपडेट करने की शक्ति केंद्रीय स्तर पर सिमटने की आशंका थी। आयोग ने कहा कि संबंधित अधिकारी के आदेश पर आपत्ति जताई थी-आयोग ने शनिवार को प्रेस रीलिंग जारी कर बताया कि संधू और जोशी की ओर से कैबिनेट सचिव को भेजे गए पत्र प्रतिनियुक्ति पर आए अधिकारी से जुड़े थे।

थप्पड़ विवाद- प्रवेश वर्मा की केजरीवाल को चेतावनी,सरकारी काम रोकना बर्दाश्त नहीं करूंगा, राहुल गांधी से कहा- आप रहने दो भाई

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने अरविंद केजरीवाल को चेतावनी दी है कि सरकारी काम रोकने वाले आप नेताओं और समर्थकों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह बयान केजरीवाल के उस वीडियो संदेश के बाद आया, जिसमें उन्होंने सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाया था। केजरीवाल ने कहा था कि देश का जेन-जी, सरकार से ईमानदारी और साफ रवैए की उम्मीद करता है।



वहीं, राहुल गांधी के तंज का जवाब देते हुए एक्स पर लिखा है कि राहुल जी, आप रहने दो भाई, आपको कुछ नहीं पता। यह पूरा विवाद दिल्ली के तिलक नगर में सड़क निरीक्षण के दौरान एक युवक को थप्पड़ मारने से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर 27 सितंबर को इसका वीडियो सामने आया था। प्रवेश वर्मा दिल्ली सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री हैं। विवाद के बाद उन्होंने दावा किया कि युवक जेन-जी नहीं, बल्कि आदतन अपराधी है। 24 घंटे में प्रवेश वर्मा के 4 बयान- पहला: 2.56 मिनट के वीडियो में रखा पक्ष- प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया कि विधायक जनरल सिंह कई दिनों से पीडब्ल्यूडी विभाग वें

पहुंचे। प्रवेश बोले- 'उनके एक कार्यकर्ता ने परिवार को गाली दी, तो ऐसी स्थिति में कोई भी गुस्से में प्रतिक्रिया देगा, और मैं भी वही किया।' दूसरा: 3.09 मिनट का वीडियो, इसमें लोगों से बातचीत- प्रवेश कह रहे हैं- मैं केवल अपने इंजीनियर के साथ गुरुद्वारे की रोड देखने गया था। मगर विधायक अपने हिस्ट्रीशीटर गुप्ताओं को लेकर आया। बदतमीजी, गाली-गलौच पर उतर आया। हिसक हो गए। मेरा मकसद केवल विकास करने का है, अगर कोई उसमें रुकावट डालेगा तो बर्दाश्त नहीं करूंगा। तीसरा: राहुल गांधी पर तंज कसा- प्रवेश ने आरोप लगाया कि पोस्ट कोट करते हुए लिखा- राहुल जी आप रहने दो भाई, आपका कुछ नहीं पता। दरअसल, थप्पड़ वाला वीडियो वायरल होने के बाद राहुल ने कहा था- दिल्ली की सरकार के एक मंत्री वीडियो में एक नौजवान को थप्पड़ मारते दिख रहे हैं। ये उस सत्ता का चेहरा है जिसे आप वोटर से डर लगना बंद हो गया है। चौथा: थप्पड़ खाने वाला युवक आदतन अपराधी, आपका ड्रामा बेकार- केजरीवाल के बयान पर जवाब देते हुए वर्मा ने कहा, 'आपका जेन-जी वाला ड्रामा काम नहीं करेगा। वह कोई जेन-जी नहीं है। वह ऐसा गुंडा है, जिसके खिलाफ तीन महीने पहले एमसीडी अधिकारी से मारपीट की गई थी। उसे गिरफ्तार भी किया गया था।' केजरीवाल ने ईमानदारी का मुद्दा उठाया था-पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार मिला, तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसी घटनाओं के बाद बीजेपी युवा लोगों से जुड़ने की उम्मीद कैसे कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को युवाओं से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर रील बनाने की जरूरत नहीं है। सरकार को पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।

ब्रिटिश एयरबेस के पास आतंकी साजिश का शक, 5 गिरफ्तार,नकाबपोश लोगों को देखकर महिला ने पुलिस को दी खबर, ईरान जंग में इस्तेमाल होता है बेस

लंदन। उसके मुताबिक, करीब 10 मिनट के भीतर गांव में हथियारों से लैस पुलिस पहुंच गई। रक्षा मंत्री ने महिला की तारीफ की:- ब्रिटेन के रक्षा

हमलों में इस्तेमाल होता है एयरबेस-आरएफ फेयरफोर्ड इंग्लैंड के ग्लोस्टरशायर में स्थित सैन्य एयरबेस है। यह लंदन से करीब 160 किलोमीटर



मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने संदिग्ध गतिविधि देखकर पुलिस को सूचना देने वाली महिला की तारीफ की। उन्होंने कहा कि महिला ने सही समय पर समझदारी दिखाते हुए पुलिस को जानकारी दी। रक्षा मंत्री से पूछा गया कि जब महिला ने सुरक्षा से जुड़ी शिकायत के लिए 24 घंटे वाली हेल्पलाइन पर फोन किया तो वहां किसी ने जवाब क्यों नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है, इसलिए फिलहाल इस बारे में कोई जानकारी देना संभव नहीं है। वैन मौके पर ही खड़ी रही, रोबोट से हुई जांच- घटना के बाद मामला इतना गंभीर था कि बम निरोधक टीम ने रोबोट की मदद से तीनों वैन की जांच की। सोमवार सुबह तक वैन को मौके से हटाया नहीं गया था। आसपास के गांवों के लोगों को भी घर लौटने की इजाजत नहीं मिली थी। आरएफ फेयरफोर्ड पर तैनात अमेरिकी वायुसेना वें कर्मचारियों को सतर्क रहने को कहा गया। अमेरिकी वायुसेना ने सुरक्षा कारणों से एयरबेस की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। ईरान के खिलाफ

पश्चिम में है और यहां अमेरिकी वायुसेना की मौजूदगी है। अमेरिका कई दशकों से इस बेस का इस्तेमाल अपने सैन्य अभियानों के लिए करता रहा है। ईरान के खिलाफ हालिया सैन्य कार्रवाई के दौरान भी इसकी अहम भूमिका रही। अमेरिकी सेना ने यहां से बी-1 और बी-2 बॉम्बर विमानों का इस्तेमाल ईरान से जुड़े सैन्य अभियानों के लिए किया था। क्या गिरफ्तार लोगों का ईरान से कनेक्शन है? अभी तक ऐसा कोई आधिकारिक सबूत सामने नहीं आया है जिससे यह साबित हो कि आरएफ फेयरफोर्ड के पास हुई इस घटना का संबंध ईरान से है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री वेस स्ट्रीटिंग से जब ईरान की भूमिका के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इसे लेकर अनुमान लगाने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करना गैर-जिम्मेदाराना होगा। फिलहाल पुलिस की जांच का फोकस गिरफ्तार किए गए पांच लोगों, उनकी गाड़ियों और एयरबेस के आसपास हुई गतिविधियों पर है। यह भी जांच की जा रही है कि वे वहां क्यों पहुंचे थे और उनके पास मौजूद सामान का क्या मकसद था।

गांव बेचना है कीमत- पानी, तुलशी गांव के 350 लड़कों की शादी तक नहीं हो रही, महाराष्ट्र की 265 तहसीलें सूखा घोषित

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के तुलशी गांव में पानी की कमी से परेशान लोग गांव बेचने जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने एक बोर्ड भी लगाया है। हालांकि गांव की कीमत सिर्फ पानी रखी गई है। बोर्ड में यह भी लिखा है कि

में कृष्णा घाटी विकास निगम ने तुलशी समेत सूखाग्रस्त गांवों में सीना-माढा योजना से पानी पहुंचाने की मंजूरी दी थी। इस साल जनवरी में तुलशी के भवानी परकोलेशन टैंक तक बंद पाइपलाइन से पानी पहुंचाने के लिए 2025-26 में 90 लाख



आखिर अन्याय कब तक सहन करें। माढा तहसील के इस गांव की 7000 आबादी कई सालों से पानी की समस्या से जूझ रही है। गांव के खेत और कुएं सूख चुके हैं। लोगों को पानी के टैंकों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। गांव के सरपंच ने यह भी दावा किया है कि जल संकट के कारण गांव के करीब 350 युवकों की शादी नहीं हो पा रही है। राज्य सरकार ने 26 सितंबर को राज्य की 358 में से 265 तालुकों में सूखा घोषित किया है। साथ ही राहत पैकेज की घोषणा भी की है। 26 साल से अधूरा खुदाई का काम- तुलशी के सरपंच शरद मोरे ने कहा, 'गांव में हर साल पानी की कमी रहती है। गांव बिक्री के लिए, कीमत-पानी' का बोर्ड लगाकर सरकार का ध्यान समस्या की ओर खींचने की कोशिश की गई है। मोरे ने पहले बताया था कि सीना-माढा योजना वें 7 वें और 8 वें आउटलेट के पास करीब 800 मीटर खुदाई का काम 26 साल से अधूरा है। यह काम पूरा होने पर तुलशी की पानी की समस्या हमेशा के लिए दूर हो सकती है। पानी पहुंचाने के लिए मंजूर हुए थे 90 लाख रुपए-2024

रुपए मंजूर किए जाने की कोशिश की गई थी। इससे गांव की पेयजल और सिंचाई की समस्या दूर होने की उम्मीद थी। हालांकि मोरे का कहना है कि उन्हे डी पीडीसी से बंद पाइपलाइन के लिए कुछ राशि मंजूर होने की जानकारी मिली है, लेकिन जमीन पर अभी तक ठोस काम शुरू नहीं हुआ है। जल जीवन मिशन भी बेअसर, 14 कुएं-तालाब सूखे-ग्रामीणों ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत काम कराया गया है। लेकिन स्थानीय जलस्रोत सूख जाने से यह योजना काम की नहीं रही। तुलशी में 14 तालाब और कुएं पूरी तरह सूख चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इन्हें भरने से पीने और सिंचाई के पानी की कमी काफी कम हो सकती है। तुलशी के ज्यादातर लोग खेती और पशुपालन से जुड़े हैं। पानी के संकट ने उनकी आजीविका पर बुरा असर डाला है। जल संकट का असर लोगों की निजी जिंदगी पर भी पड़ा है। गांव के करीब 350 युवकों की शादी नहीं हो पा रही, कोई भी परिवार बेटियां देने को तैयार नहीं है।

पोस्टमार्टम में टूटी मिली थी सुशांत के पैर की हड्डी,डेडबॉडी में स्टन गन के निशान थे, बहन बोली- जोर-जबरदस्ती हुई थी

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने एक्टर के पोस्टमार्टम से जुड़ा बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि पोस्टमार्टम के

कि इसे प्यार की भावना के साथ करें बदले की भावना के साथ नहीं।' बता दें कि श्वेता सिंह कीर्ति में कहीं भी साफ नहीं किया है कि पोस्टमार्टम करने वाले

पर 13 सितंबर को दिशा सालियान की मौत के मामले की जांच सीबीआई का सौंपी गई है। दिशा सालियान डेथ केस की जांच दोबारा शुरू होने



समय सुशांत के पैर की हड्डी टूटी हुई, आंख के पास चोट के निशान थे और गले में स्टन गन के भी निशान बने हुए थे। श्वेता सिंह कीर्ति ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो जारी कर कहा- ‘आप सब जानते हैं कि जो भाई के साथ हुआ वो गलत है। हमें कुछ समय पहले ही पता चला है कि भाई का पोस्टमार्टम करने वाले शख्स ने कहा है कि उस पर स्टन गन इस्तेमाल हुई थी। उसके पैर टूट हुए थे। उस पर काफी सारा फोर्स लगाया गया था। आंखों में भी चोट आई थी।' आगे श्वेता सिंह कीर्ति ने कहा, ‘आप लोगों को लगता है कि भाई के साथ जो हुआ वो गलत था, जाहिर तौर पर गलत था। हम सब दिलों में जानते हैं कि जो हुआ, वो नहीं होना चाहिए था। मैं आप सबसे कहना चाहती हूँ कि मैं उसकी बहन हूँ, मैं जानती हूँ कि ये कैसा लगता है कि हमारे किसी करीबी से साथ ऐसा कुछ हुआ है। जब ये हमारे साथ हो, तो हम माफ कर सकते हैं, लेकिन किसी अपने के साथ ऐसा हो तो ये भूलने के लिए काफी हिम्मत लगती है।' श्वेता ने वीडियो के आखिर में लोगों से अपील की है कि वो नफरत या बदले की भावना न रखें। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी फौस भगवान पर भरोसा रखें। वीडियो के कैप्शन में श्वेता ने लिखा है, ‘मैं ये नहीं कह रही हूँ कि न्याय और सही के लिए लड़ाई मत करो, मैं कह रही हूँ

शख्स ने उनसे या किसी एथॉरिटी से बात की है या नहीं। ना ही उन्होंने इन दावों से जुड़े कोई साक्ष्य दिखाए हैं। दैनिक भास्कर उनके दावों की पुष्टि नहीं करता है। सीबीआई जांच में मौत को आत्महत्या करार दिया गया:-सुशांत सिंह राजपूत 14 जून, 2020 को बांद्रा में अपने घर पर रहस्यमयी तरीके से मृत पाए गए थे। पहली नजर में मामला सुसाइड का लगा था, लेकिन बाद में परिवार की शिकायत, मीडिया और विपक्षी दलों के प्रेशर की वजह से मामले की जांच को सीबीआई को सौंपी गई। सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट में मौत की असल वजह सुसाइड ही बताई गई है। इस केस में सीबीआई ने 6 अगस्त 2020 को एकआईआर दर्ज की थी। 4 साल 6 महीने 15 दिन बाद सीबीआई ने मार्च 2025 में फाइनल क्लोजर रिपोर्ट फाइल की, जिसमें कहा गया कि आत्महत्या के लिए सुशांत को उकसाने का कोई सबूत नहीं मिला है। रियायत चर्चा में सुशांत का मामला:-सुशांत सिंह राजपूत के निधन से एक हफ्ते पहले ही उनकी पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की भी मौत हुई थी। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी। घटना के छह दिन बाद 14 जून 2020 को सुशांत सिंह भी मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे। दिशा के पिता की मांग

से सुशांत का केस भी फिर चर्चा में आ गया है। हाल ही में सुशांत सिंह राजपूत के चचेरे भाई पन्ना सिंह ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा है, ‘मेरे चचेरे भाई सुशांत सिंह राजपूत का मामला उसकी पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की हत्या से जुड़ा है। सुशांत आखिरी बार साल 2019 में पूर्णिया आया था। वो मुझे कुछ बातना चाहता था, लेकिन समय कम होने की वजह से नहीं बता सका। लौटते समय उसने कहा था- भइया जल्दी आपको कुछ बताऊंगा। कुछ बड़ा होने वाला है, मैं जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सब कुछ दुनिया के सामने लाऊंगा। सारे सबूत मेरे पास हैं, मैं किसी से डरता नहीं हूँ।

‘ चाचा मनमोहन बोले- साजिश के तहत सुशांत की हत्या की गई:-सुशांत सिंह राजपूत के चाचा मनमोहन सिंह ने बताया कि बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले का हम लोग स्वागत करते हैं। जिस वक्त सुशांत की मौत की खबर आई थी, तब कोई विश्वास नहीं कर रहा था कि वह सुसाइड कर सकता है। सुशांत की साजिश के तहत हत्या की गई थी। इसमें काफी बड़े-बड़े लोग शामिल थे, कुछ लोग तो ऐसे हैं, जिनका अभी तक नाम भी सामने नहीं आया है। मनमोहन सिंह ने कहा कि सीबीआई ने दिशा की मौत के मामले में एकआईआर दर्ज की है। अब हम लोगों को भरोसा है कि सुशांत और दिशा मामले में कोई भी दोषी बच नहीं पाएगा।

फिल्म/महिला जगत

रणबीर कपूर-44 बसंत, जूते पहनकर मंदिर में जाने पर हुई पिटाई, बचपन में शेविंग लोशन पिया, डॉक्टर ने कहा- पिता नहीं बचेंगे, तो आया पैनिक अटैक

मुंबई। बॉलीवुड के आला दर्जे के एक्टर माने जाने वाले रणबीर कपूर आज 44 साल के हो चुके हैं। 2007 की फ्लॉप फिल्म ‘सांवरिया’ से करियर शुरू करने वाले रणबीर कपूर ने ‘रॉकस्टार’



में टूट दिल का दर्द जिया, ‘बर्फी’ में बिना बोले दिल जीत लिया और ‘संजू’ में संजय दत्त को पर्दे पर उतार दिया। ‘एनिमल’ से बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़े तो विवादों में भी घिरे। पर्दे के बाहर माता-पिता के तनावपूर्ण रिश्ते, पिता ऋषि कपूर को खोने का दर्द और निजी जिंदगी के उतार-चढ़ाव भी उनकी कहानी का हिस्सा रहे। 19 साल के करियर में 21 फिल्मों के साथ रणबीर अब ‘रामायण’ में भगवान राम का किरदार निभाने जा रहे हैं। रणबीर कपूर का जन्म 28 सितंबर 1982 को मुंबई में हुआ। वे अभिनेता ऋषि कपूर और नीतू कपूर के बेटे हैं। शोमैन राज कपूर दादा हैं। परिवार की 4 पीढ़ियां हिंदी सिनेमा में पहचान बना चुकी थीं। यूं तो रणबीर कपूर हर एंशो-आराम में पड़े बड़े, लेकिन उनके अपने निजी संघर्ष रहे। रणबीर को नेजल डिवाइट सेप्टम नाम की बीमारी हो गई। ये एक रेयर बीमारी है, जिसके चलते उन्हें सांस लेने में तकलीफ होती है और वह जल्दी-जल्दी बोलते हैं। रणबीर कपूर

कदर गुस्सा हुए कि सीधे उन्हें थप्पड़ मार दिया। बचपन में अलमारी में रखते थे संजय दत्त की तस्वीरें:- रणबीर कपूर बचपन में एक्टर संजय दत्त के फैन थे। वो अपने कमरे की अलमारी में संजय दत्त की तस्वीरें छिपाकर रखते थे। जबकि उनकी बहन रिद्धिमा के पास सलमान की तस्वीरें होती थीं। संयोग की बात है कि रणबीर ने संजय दत्त की बायोपिक में उनका किरदार निभाया, जो उनके करियर की बेहतरीन फिल्मों में शामिल है। रणबीर कपूर बचपन में पिता की फिल्में देखा पसंद करते थे, जबकि उन्हें मां नीतू सिंह की फिल्में देखना अजीब लगता था। पिता के फिल्मों में निभाए गए अलग-अलग किरदार देखते हुए ही रणबीर ने एक्टर बनने का सोचा था। पिता के साथ देशभक्ति गाने में नजर आए थे रणबीर:-बाबरी मस्जिद टूटने के बाद देश में दंगे भड़क गए थे। इसी समय 1993 में सुभाष घई ने दूरदर्शन के लिए एकता पर गाना बनाया प्यार की गंगा बहे। इस गाने में उस दौर के बड़े सितारे अपने परिवार और बच्चों के साथ



नजर आए थे। तब 11 साल के रणबीर कपूर भी पिता ऋषि कपूर के साथ एक सीट पर रहीं थीं। दोनों का एक फोटोशूट भी हुआ था, जिसमें रणबीर, आलिया के कंधे पर सिर रखते हुए शर्मा गए थे। हालांकि बाद में ये फिल्म बंद हो गई। सांवरिया (2007) बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप एक्टर हैं। हालांकि रणबीर कपूर की एक्टिंग की जमकर सराहना हुई। इस फिल्म के गाने भी चर्चा में रहे। फिल्म के एक सीन में टैबल लपेटे हुए रणबीर की भी चर्चा आई। सांवरिया फ्लॉप होने के बाद रणबीर कपूर बचपन से हसीनों (2008) में नजर आए, जो हिट रही। अगले साल उनकी तीसरी फिल्म आई वृक आर सिड, अजब प्रेम की गजब कहानी और ‘रॉकेट सिंह। तीन फिल्में लेकिन किरदार तीनों के अलग।

2009 में आई तीन फिल्मों में रणबीर के किरदार- वेकअप सिड- सिद्धार्थ मेहरा (सिड) नाम का एक लापरवाह, अमीर लड़का, जो सेल्फ डिवेडेंट बनना चाहता है। फिल्म हिट रही। अजब प्रेम की गजब कहानी- प्रेम शंकर शर्मा, एक मजाकिया, दिलदार और दूसरों की मदद करने वाला लड़का, जो जेनी से प्यार करता है और उसके लिए कुछ भी करने को तैयार रहता है। फिल्म सुपरहिट रही।

‘रॉकेट सिंह- हरप्रीत सिंह बेदी, एक ईमानदार और मेहनती लड़का, जो सबसे बड़ा सेल्समैन बनना चाहता है। फिल्म फ्लॉप हो गई। राजनीति से एक्टिंग करियर की सीमाएं मिटाई:- साल 2010 में रणबीर कपूर, प्रकाश झा के निर्देशन में बनी फिल्म राजनीति में नजर आए। किरदार था समर प्रताप सिंह। रणबीर का इंटेल लुक और किरदार चर्चा में रहा और बड़ी आसानी से उन्होंने रोमांटिक, कॉमेडी हीरो की छवि धुंधली कर दी। इसी साल आई अनजाना अनजानी भी हिट साबित हुई। रॉकस्टार में जनार्दन उर्फ जेजे बनकर स्टार बने:- साल 2011 में रणबीर कपूर इम्तियाज अली की फिल्म ‘रॉकस्टार’ में नजर आए। उन्होंने गीतम पुरा के एक सीधे-सादे जाट लड़के का किरदार निभाया, जो कॉलेज में रॉकस्टार बनने का सपना देखता है। कैंटीन के मालिक की सलाह पर वो आवाज में दर्द लाने के लिए नकली हार्टब्रेक का ड्रामा करते-करते वाकई एक ऐसी लड़की को पसंद करने लगता है, जिसकी शादी उसकी नजरों के सामने हुई। फिल्म रिलीज हुई, तो सिनेमाघर हाउसफुल हो गए। डिब्बा न्यूज रेट एंगालिसिस ने लेखा, रणबीर कपूर ने हिंदी सिनेमा की सबसे सधी हुई परफॉर्मेंस दी। उन्हें बेस्ट एक्टर क्रिटिक्स का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। इसके अलावा उन्हें बेस्ट एक्टर

तनाव का असर रणबीर और ऋषि कपूर के रिश्ते पर पड़ा। रणबीर पिता से डरने लगे और मां से उनका लगाव बढ़ने लगा। एक वजह यह भी रही कि जिस समय रणबीर छोटे थे, ऋषि कपूर का ज्यादातर समय शूटिंग में घर से बाहर बीतता था। रणबीर कपूर का असिस्टेंट डायरेक्टर से हीरो बनने का सफर-1996 में रणबीर कपूर के पिता ऋषि कपूर और अंकल रणधीर कपूर और राजीव कपूर ने मिलकर फिल्म प्रेम ग्रंथ प्रोड्यूस की। इसे राजीव कपूर ने डायरेक्ट किया और ऋषि कपूर और माधुरी दीक्षित लीड रोल में रहे। होम प्रोडक्शन की इस फिल्म में रणबीर फिल्म के असिस्टेंट डायरेक्टर रहे। विदेश में की पढ़ाई, भारत लौटकर भंसाली के सेट पर लगाया पोशा- एचआर कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद रणबीर कपूर फिल्ममेकिंग

सीखने न्यूयॉर्क गए। वहां उन्होंने स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स से फिल्ममेकिंग और ली स्टूडसबर्ग



दादा राज कपूर और कबिन कलीब कपूर के साथ बूला झुलते हुए रणबीर कपूर।

थिएटर एंड फिल्म इंस्टीट्यूट से मेथड एक्टिंग की ट्रेनिंग ली। मुंबई लौटने के बाद 2005 में उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म ‘ब्लैक’ में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। इस दौरान उन्होंने सेट पर लाइटर से लेकर सफाई तक के काम किए। राज कपूर: द मास्टर एट वर्क बुक लॉन्च में रणबीर ने बताया था कि उन्हें फिल्म ब्लैक के सेट पर संजय लीला भंसाली से काफी डांट पड़ती थी। कई बार उन्हें सेट पर पोछा भी लगाना पड़ा था।

लेकिन कहते हैं न कि मेहनत फल जरूर देती है। ऐसा ही रणबीर के साथ भी हुआ। उनका हुनर परखते हुए संजय लीला भंसाली ने उन्हें अगली फिल्म सांवरिया में कास्ट कर लिया। सोनम कपूर ने भी उनके साथ ही डेब्यू किया था। आलिया के साथ डेब्यू करने वाले थे रणबीर:- साल 2002 में 20 साल के रणबीर कपूर को संजय लीला भंसाली की फिल्म बालिका वधू में कास्ट किया गया था। इस फिल्म में 11-12 साल की रहीं आलिया भट्ट बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट काम कर रहीं थीं। दोनों का एक फोटोशूट भी हुआ था, जिसमें रणबीर, आलिया के कंधे पर सिर रखते हुए शर्मा गए थे। हालांकि बाद में ये फिल्म बंद हो गई। सांवरिया (2007) बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप एक्टर हैं। हालांकि रणबीर कपूर की एक्टिंग की जमकर सराहना हुई। इस फिल्म के गाने भी चर्चा में रहे। फिल्म के एक सीन में टैबल लपेटे हुए रणबीर की भी चर्चा आई। सांवरिया फ्लॉप होने के बाद रणबीर कपूर बचपन से हसीनों (2008) में नजर आए, जो हिट रही। अगले साल उनकी तीसरी फिल्म आई वृक आर सिड, अजब प्रेम की गजब कहानी और ‘रॉकेट सिंह। तीन फिल्में लेकिन किरदार तीनों के अलग।

2009 में आई तीन फिल्मों में रणबीर के किरदार- वेकअप सिड- सिद्धार्थ मेहरा (सिड) नाम का एक लापरवाह, अमीर लड़का, जो सेल्फ डिवेडेंट बनना चाहता है। फिल्म हिट रही। अजब प्रेम की गजब कहानी- प्रेम शंकर शर्मा, एक मजाकिया, दिलदार और दूसरों की मदद करने वाला लड़का, जो जेनी से प्यार करता है और उसके लिए कुछ भी करने को तैयार रहता है। फिल्म सुपरहिट रही।

‘रॉकेट सिंह- हरप्रीत सिंह बेदी, एक ईमानदार और मेहनती लड़का, जो सबसे बड़ा सेल्समैन बनना चाहता है। फिल्म फ्लॉप हो गई। राजनीति से एक्टिंग करियर की सीमाएं मिटाई:- साल 2010 में रणबीर कपूर, प्रकाश झा के निर्देशन में बनी फिल्म राजनीति में नजर आए। किरदार था समर प्रताप सिंह। रणबीर का इंटेल लुक और किरदार चर्चा में रहा और बड़ी आसानी से उन्होंने रोमांटिक, कॉमेडी हीरो की छवि धुंधली कर दी। इसी साल आई अनजाना अनजानी भी हिट साबित हुई। रॉकस्टार में जनार्दन उर्फ जेजे बनकर स्टार बने:- साल 2011 में रणबीर कपूर इम्तियाज अली की फिल्म ‘रॉकस्टार’ में नजर आए। उन्होंने गीतम पुरा के एक सीधे-सादे जाट लड़के का किरदार निभाया, जो कॉलेज में रॉकस्टार बनने का सपना देखता है। कैंटीन के मालिक की सलाह पर वो आवाज में दर्द लाने के लिए नकली हार्टब्रेक का ड्रामा करते-करते वाकई एक ऐसी लड़की को पसंद करने लगता है, जिसकी शादी उसकी नजरों के सामने हुई। फिल्म रिलीज हुई, तो सिनेमाघर हाउसफुल हो गए। डिब्बा न्यूज रेट एंगालिसिस ने लेखा, रणबीर कपूर ने हिंदी सिनेमा की सबसे सधी हुई परफॉर्मेंस दी। उन्हें बेस्ट एक्टर क्रिटिक्स का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। इसके अलावा उन्हें बेस्ट एक्टर

के दो और अवॉर्ड मिले। पिता नहीं चाहते थे फिल्म बर्फी करें रणबीर:-2012 में रिलीज हुई



बर्फी से रणबीर ने अपनी अलग ही पहचान बनाई। इसमें उन्होंने एक बोलने-सुनने में असमर्थ शख्स का रोल प्ले किया। इस फिल्म को इंडिया से ऑस्कर में ऑफिशियल एंट्री मिली थी। इस रोल को करने के लिए एक्टर ने चार्ली चैप्लिन और दादा राज कपूर से प्रेरणा ली थी। हालांकि पिता ऋषि कपूर नहीं चाहते थे कि रणबीर ये किरदार निभाएं। इस पर ऋषि कपूर ने एक इंटरव्यू में कहा था, ‘मेरे भाई (रणधीर और राजीव कपूर) मुझसे कहते थे कि रणबीर को क्या हो गया है? ये सुसाइड कर रहा है.. एक फिल्म करता है उसमें भी



‘रॉकेट सिंह’ और ‘बर्फी’ जैसी.. जिसमें ये गूंगा है और सुनता भी नहीं है.. खत्म हो जाएगा। ये सब सुनकर मुझे भी फिक्र होती थी, पर रणबीर ने अपनी चोंइस से हम सभी को गलत साबित किया। ‘बर्फी’ हिट साबित हुई। रणबीर एक डेयरियर एक्टर हैं। जब वो अपने करियर की शुरुआत कर रहे थे ‘सांवरिया’ से तभी उन्होंने अपनी मां से कहा था कि मैं उस तरह का काम नहीं करना चाहता जो शाहरुख खान साहब और बाकी एक्टर्स कर चुके हैं। आगे रणबीर ने ये जवानी है दीवानी, तमाशा, ऐ दिल है मुश्किल, संजू, शमशेरा, ब्रह्मास्त्र, तू झूठी मैं मक्कार जैसी फिल्में कर स्टारडम



कायम रखा।19 साल के करियर में पिता की मौत के बाद पहली बार लिया ब्रेक:-2007 में करियर शुरू करने वाले रणबीर की हर साल एक फिल्म जरूर होती है, हालांकि उन्होंने 4 साल का ब्रेक लिया। इस ब्रेक की दो वजह रही, पहली कोविड और दूसरी उनके पिता ऋषि कपूर की बिगड़ती तबीयत। 30 अप्रैल 2020 को कैंसर की वजह से ऋषि कपूर की मौत हो गई थी। रणबीर ने उस दिन को भी याद किया जब डॉक्टरों ने उन्हें बता दिया था कि ऋषि कपूर की मौत किसी भी वक्त हो सकती है। पिता के निधन की जानकारी मिलने पर आया पैनिक अटैक:- निखिल कामथ से बातचीत करते हुए रणबीर ने कहा था- मैंने बहुत पहले ही रोना छोड़ दिया था। पापा की मौत के बाद भी मैं रोया नहीं था। एक दिन जब मैं रात में हॉस्पिटल में था, तब डॉक्टर ने कहा था, ये उनकी (ऋषि कपूर) आखिरी रात है। वे कभी भी जा सकते हैं। मुझे याद है कि रूम में जाने के बाद मुझे पैनिक अटैक आ गया था। समझ नहीं आ रहा था कि खुद को एक्सप्रेस कैसे करूं। उस वक्त बहुत कुछ हो रहा था, जिसे मैंनेज करना था। लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैंने शोक मनाया था, या मुझे उनकी कमी का एहसास था। इसके बाद उन्होंने सीधे 2022 में 2 फिल्मों से वापसी की। पहली शमशेरा जो फ्लॉप रही और दूसरी रही ब्रह्मास्त्र

पार्ट-1। अगले साल यानी 2023 में रणबीर कपूर की लंबे समय बाद रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तू झूठी मैं मक्कार रिलीज हुई। फिल्म एवरेज हिट रही। लेकिन इसी साल आई उनकी फिल्म एनिमल ने रिकॉर्ड कायम किए। ये उस साल की सबसे बड़ी फिल्म बनी, लेकिन रणबीर के हिस्से कुछ विवाद भी आए। फिल्म में टॉक्सिसिटी को बढ़ावा देने और महिलाओं के गलत चित्रण पर सवाल उठाए गए। हिंसक सीन की भी जमकर आलोचना हुई। लेकिन विवादों के बीच फिल्म ने रणबीर को चौथा बेस्ट एक्टर का फिल्मफेयर दिलाया। इसके बाद रणबीर ने अपने 3 साल निवेश तिवारी की रामायण में लगा दिए, जो इस साल रिलीज होने वाली है। फिल्म में रणबीर भगवान श्रीराम का किरदार निभा रहे हैं, जिस पर विवाद है। दरअसल, कुछ सालों पहले रणबीर ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें बीफ पसंद है, जिसके बाद अब कहा जा रहा है कि बीफ खाने वाले को भगवान राम का रोल क्यों दिया गया। हालांकि रणबीर फिल्ममेकिंग के दौरान शाकाहारी बन चुके हैं। विवादों के बावजूद हिट हुई रणबीर की फिल्में:- एनिमल (2023): हिंसा और महिलाओं



के चित्रण पर विवाद:- एनिमल में रणबीर कपूर ने रणविजय सिंह का किरदार निभाया था। फिल्म में अत्यधिक हिंसा, महिलाओं के प्रति व्यवहार और पुरुष प्रधान सोच को लेकर विवाद हुआ। एक दृश्य में रणविजय अपनी प्रेमिका जोया से जूते चढ़ाने के लिए कहता है। पत्नी गीतांजलि के साथ उसके व्यवहार और विवाहेतर संबंधों को लेकर आलोचना हुई। फिल्म पर हिंसा और महिलाओं के प्रति अपमानजनक व्यवहार को बढ़ावा देने के आरोप लगे। गीतकार जावेद अख्तर समेत कई लोगों ने फिल्म की आलोचना की। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने फिल्म का बचाव किया। ब्रह्मास्त्र (2022): बीफ वाले बयान पर विवाद-ब्रह्मास्त्र की रिलीज से पहले रणबीर कपूर का पुराना बयान सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने बीफ खाने की बात कही थी। माइथोलॉजी से जुड़ी इस फिल्म में रणबीर कपूर के होने पर इसकी बॉयकोट की मांग हुई। जब प्रमोशन के बीच रणबीर कपूर, अयान मुखर्जी और आलिया भट्ट उज्जैन वेड महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे, तो उनकी एंट्री रोक दी गई। कहा गया कि बीफ खाने वाले शख्स को मंदिर में एंट्री नहीं दी जाएगी। दोनों ही फिल्मों पर विवाद हुआ, हालांकि फिल्म पर इन विवादों का असर नहीं बढ़ा। ब्रह्मास्त्र और एनिमल दोनों सुपरहिट रहीं। दोनों ही फिल्में रणबीर की हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों में टॉप-3 में हैं। देखना होगा कि क्या अब रामायण विवादों के बीच ऐसा नतीजा दे पाएगी या नहीं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा

द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41युपी
एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।

संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा

मो.नं.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398

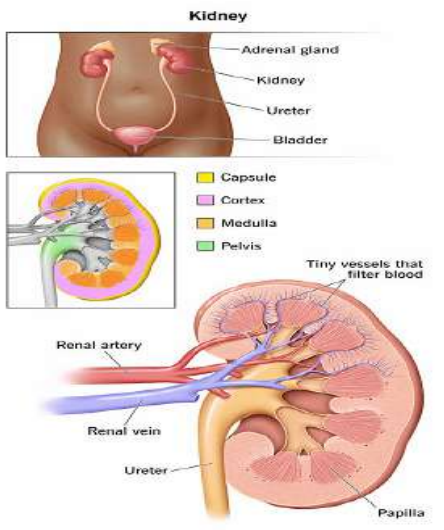
नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीओआरबी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।

14 करोड़ लोगों की किडनी खराब ,सरकार की सिफारिश- साल में दो बार कराएं के.एफ.टी, डॉक्टर से जानें हर जरूरी सवाल का जवाब

मुंबई। पिछले दिनों स्वास्थ्य और परिवार कल्याण से जुड़ी संसदीय स्थायी समिति ने किडनी फंक्शन टेस्ट (के.एफ.टी) को लेकर एक सिफारिश की। इसमें 20 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों को हर 6 महीने में के.एफ.टी कराने की बात कही गई है। यह सुझा नेशनल प्रोग्राम ऑर प्रिवेंशन एंड

काफी हद तक खराब हो चुकी होती है। यही वजह है कि समिति ने इलाज से ज्यादा समय रहते पहचान और बचाव पर जोर दिया है। इसलिए आज ‘फिनिकल हेल्थ’ में के.एफ.टी यानी किडनी फंक्शन टेस्ट के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि के.एफ.टी टेस्ट से किडनी के बारे

हैं। लक्षण सामने आने तक किडनी को काफी नुकसान हो चुका होता है। इसी वजह से समिति ने 20 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए हर 6 महीने में केएफटी की सिफारिश की है। सिफारिश में कहा गया है कि गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों के लिए यह जांच मुफ्त हो। वहीं गरीबी रेखा से ऊपर के लोगों के लिए इसे मामूली शुल्क पर उपलब्ध कराने की बात कही गई है। समिति ने डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसे सीकेडी के प्रमुख रिस्क फैक्टर वाले लोगों की नियमित स्क्रीनिंग पर विशेष जोर दिया है। सवाल- क्या भारत में किडनी डिजीज के आंकड़े सचमुच चिंताजनक हैं? जवाब- हां, आंकड़ों से इसकी गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। हेल्थ जर्नल ‘द लैसेट’ के मुताबिक, साल 2023 में भारत में लगभग 13.8 करोड़ लोग क्रॉनिक किडनी डिजीज से पीड़ित थे। वहीं संसदीय समिति के अनुसार, हर साल करीब 2 लाख नए मरीज किडनी डिजीज की आखिरी स्टेज तक पहुंचते हैं, जब डायलिसिस या किडनी ट्रांसप्लांट के अलावा और कोई विकल्प नहीं रह जाता। सवाल- केएफटी यानी किडनी फंक्शन टेस्ट क्या है? जवाब- इस टेस्ट से किडनी की कार्यक्षमता का आकलन किया जाता है। इसके लिए ब्लड और यूरिन के सैंपल लिए जाते हैं। इसमें सीरम क्रिएटिनिन, एस्टीमेटेड ग्लोमेरुलर फिल्ट्रेशन रेट (ईजीएफआर) और यूरिन में प्रोटीन व एल्ब्यूमिन जैसी जांचें की जाती हैं। सवाल- केएफटी टेस्ट से किडनी के बारे में क्या पता चलता है? जवाब- इस टेस्ट से किडनी की कार्यक्षमता में कमी, किडनी डैमेज के शुरुआती संकेत और बीमारी की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। किडनी की कार्यक्षमता को समझना इसलिए जरूरी है, क्योंकि यह शरीर में कई अहम काम करती है।



कंट्रोल ऑफ नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज (एनपी-एनसीडी) के तहत दिया गया है। यह सिफारिश ऐसे समय में आई है, जब देश में किडनी डिजीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। मेडिकल जर्नल ‘द लैसेट’ में पब्लिश एक ग्लोबल स्टडी के मुताबिक, भारत में हार्ट डिजीज के बाद क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) दूसरी सबसे बड़ी बीमारी बन चुकी है। चिंता की बात यह है कि शुरुआती चरण में अक्सर किडनी डिजीज के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते। ऐसे में लोगों को इसका पता तब चलता है, जब किडनी

में क्या पता चलता है? इसमें कौन-कौन से टेस्ट शामिल होते हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. निरंजन कुलकर्णी, कंसल्टेंट, नेफ्रोलॉजी, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- संसदीय समिति ने साल में दो बार किडनी टेस्ट किए जाने की सिफारिश क्यों की है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- इसका मुख्य उद्देश्य समय रहते क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) की पहचान करना है। किडनी डिजीज में अक्सर शुरुआती लक्षण स्पष्ट नहीं होते